संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

■ वर्ष -17 ■ अंक-115 ■ रायपुर, मंगलवार 22 सितंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-1.50 रुपये

आज का पंचांग

पक्ष : भाद्रपद शुक्ल
तिथि : एकादशी
विशेष : परिवर्तिनी एकादशी का व्रत
नक्षत्र : श्रवण -
ब्रह्म मुहूर्त- 04:52 से 05:40
प्रातः संध्या- 05:16
अभिजित मुहूर्त- 12:07 से 12:55
राहुकाल : 03:16 से शाम 04:47 तक
सूर्योदय-सूर्यास्त का समय
सूर्योदय- सुबह 06:09 बजे
सूर्यास्त- शाम 06:17 बजे

छात्रों की गूंज कार्यक्रम में 'मां' का अपमान

सीएम साय ने भावुक कविता से दी नसीहत

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मां के प्रति सम्मान और भारतीय संस्कृति में मां के सर्वोच्च स्थान को रेखांकित करते हुए सोशल मीडिया पर भावपूर्ण वीडियो साझा किया है. मुख्यमंत्री ने इसके साथ अपनी भावनाओं को कविता की पंक्तियों में अभिव्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पोस्ट में उल्लेख किया है –

"मां है ममता, मां है करुणा
मां जीवन का आधार है,
मां के चरणों में समर्पित पूरा ये संसार है.
मां का करे अपमान वो कुपुत्र ही कहलायेगा,
मां का करे तिरस्कार वो कहीं ठौर न पायेगा."

मुख्यमंत्री साय ने किसी राजनीतिक व्यक्ति का नाम लिए बिना अपने संदेश के माध्यम से मां के प्रति सम्मान और मर्यादा बनाए रखने की सीख दी है. उन्होंने यह संदेश ऐसे समय साझा किया है, जब इंदौर में आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में कॉमेडी प्रस्तुति को लेकर राजनीतिक विवाद चल रहा है.

उल्लेखनीय है कि इंदौर में आयोजित उक्त कार्यक्रम में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की उपस्थिति में स्टैंड-अप कॉमेडियन पुलकित मणि ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बोलने की शैली और हाव-भाव की मिमिक्री की थी.

प्रस्तुति के एक हिस्से में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान भीड़ में मौजूद बुजुर्ग माताजी के लिए कुर्सी उपलब्ध कराने को कहने से जुड़े प्रसंग को भी शामिल किया गया. इसे लेकर भाजपा के अनेक नेताओं ने कड़ी आपत्ति जताते हुए

आरोप लगाया है कि हास्य के नाम पर मां और मातृशक्ति के सम्मान को ठेस पहुंचाई गई. कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी मंच पर मौजूद थे और प्रस्तुति पर उनकी प्रतिक्रिया को लेकर भी राजनीतिक बहस तेज हुई है.

इसी घटनाक्रम के बीच मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का मां की महिमा और सम्मान को समर्पित संदेश सामने आया है.

मुख्यमंत्री ने अपनी पोस्ट में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बजाय मां के प्रति भारतीय समाज की श्रद्धा, संवेदना और संस्कार को केंद्र में रखा है.

मुख्यमंत्री साय ने स्वर्गीय कवि ओम व्यास की मां पर केंद्रित प्रसिद्ध काव्य रचना का वीडियो भी साझा किया. मां के त्याग, ममता, वात्सल्य और संतान के जीवन में उनके अतुलनीय स्थान को अभिव्यक्त करती यह रचना सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही है.

मुख्यमंत्री साय के संदेश का भाव स्पष्ट है कि मां केवल एक संबंध नहीं, बल्कि ममता, करुणा, त्याग और संस्कार का स्वरूप है. भारतीय संस्कृति में मां को सर्वोच्च स्थान दिया गया है और उनका सम्मान सामाजिक एवं सांस्कृतिक मर्यादा का अभिन्न हिस्सा है. वैचारिक अथवा राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हो सकते हैं, लेकिन मां के प्रति सम्मान की मर्यादा सदैव अक्षुण्ण रहनी चाहिए.

मुख्यमंत्री द्वारा साझा की गई पंक्तियां इसी सांस्कृतिक चेतना को अभिव्यक्त करती हैं कि जिस मां के स्नेह, त्याग और संस्कारों से व्यक्ति का जीवन आकार लेता है, उसका सम्मान प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक दायित्व है.

दिल्ली हाईकोर्ट को मिले सात नए जज

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट को सात नए जज मिले हैं। सोमवार को सात न्यायिक अधिकारियों ने दिल्ली हाई कोर्ट के जज के तौर पर शपथ ली, जिससे वहां काम करने वाले जजों की कुल संख्या 50 हो गई। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने जस्टिस निवेदिता अनिल शर्मा, जस्टिस निशा सहाय सक्सेना, जस्टिस संजय शर्मा, जस्टिस भरत पाराशर, जस्टिस अदिति चौधरी, जस्टिस दिनेश भट्ट और जस्टिस अरुण भारद्वाज को पद की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह हाई कोर्ट परिसर में आयोजित किया गया था। इस समारोह में दिल्ली हाई कोर्ट के सभी मौजूदा जजों के अलावा सीनियर न्यायिक अधिकारी, रजिस्ट्री के सदस्य, वकील और नए नियुक्त जजों के परिवार के सदस्य शामिल हुए। ये सभी जज पहले राजधानी की जिला न्यायपालिका में न्यायिक अधिकारी के तौर पर काम कर रहे थे।

सूडान में 7 दिन के भीतर दूसरी गोल्ड माइन धंसी, 11 मजदूरों की मौत

ओनी। भीषण गृहयुद्ध की आग में झुलस रहे सूडान में एक सप्ताह के भीतर दूसरी बार सोने की खदान धंसने से बड़ा हादसा हुआ है। सूडान के उत्तर-पूर्वी हिस्से के रेड सी राज्य में खदान की सुरंग ढहने से कम से कम 11 खनिकों की मौत हो गई, जबकि 30 लोग घायल हो गए। मलबे में फंसे अन्य लोगों की तलाश जारी है। इससे एक सप्ताह पहले पश्चिमी सूडान में खदान धंसने से 82 लोगों की मौत हुई थी। यह हादसा रविवार को रेड सी राज्य के दूरदराज के इलाके ओनी में हुआ। स्थानीय कर्मचारी अब्दलहाय खारिफ अबाकर के अनुसार, खदान धंसने की घटना शनिवार रात शुरू हुई थी। राज्य की स्वामित्व वाली सूडानी मिनरल रिसोर्सेज कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि रविवार तक 11 शव बरामद किए जा चुके थे और 30 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

ओडिशा में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। ओडिशा में मौसम को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया है। राज्य की मुख्य सचिव अनु गर्ग ने बताया कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार समुद्र में साइक्लोन नहीं, बल्कि डीप डिप्रेशन विकसित हो रहा है।

इसके प्रभाव से राज्य के 11 जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। मुख्य सचिव ने बताया कि इस मौसम सिस्टम का असर करीब दो दिनों तक रहने की संभावना है। इसे देखते हुए राज्य सरकार ने प्रभावित जिलों के प्रशासन को पूरी तरह सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं।

पोखर में नहाने गए 6 बच्चों की डूबकर मौत

एक को बचाने में सभी डूबे

भागलपुर/सुलतानगंज (एजेंसी)। करम पर्व की खुशियां सोमवार सुबह उस वक्त मातम में बदल गयीं, जब पोखर में स्नान करने गये छह बच्चों की डूबने से मौत हो गयी. हादसा सुलतानगंज थाना क्षेत्र के उधाडीह पंचायत के तरैटा बहियार में हुआ. मृतकों में तीन लड़के और तीन लड़कियां शामिल हैं. सभी की उम्र करीब 10 से 12 वर्ष के बीच बतायी जा रही है.बताया गया कि करमा-धरमा पर्व के मौके पर बच्चे पोखर में स्नान करने गये थे. इसी दौरान एक बच्चा गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा. उसे बचाने के प्रयास में अन्य बच्चे भी पानी में उतर गये. देखते ही देखते छह बच्चे गहरे पानी में डूब गये. हादसे की खबर मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गयी.बच्चों के डूबने की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण पोखर की ओर दौड़ पड़े. ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद सभी छह बच्चों को पानी से बाहर निकाला. इसके बाद परिजन उन्हें सुलतानगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने एक-

एक कर सभी छह बच्चों को मृत घोषित कर दिया. बच्चों की मौत की पुष्टि होते ही अस्पताल में चीख-पुकार मच गयी. पर्व के दिन जिन घरों में बच्चों के लौटने का इंतजार हो रहा था, वहां अचानक मातम पसर गया. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था.

मृतकों की पहचान ज्योति कुमारी, पिता धनंजय मंडल, निवासी रजंदीपुर, सबौर; मीनाक्षी कुमारी, पिता वाल्मीकि मंडल; आयुष कुमार, पिता विनोद मंडल; राहुल कुमार, पिता पूरब मंडल; पूजा कुमारी, पिता पूरन मंडल और विकास कुमार, पिता रंजन कुमार के रूप में हुई है.

मुख्यमंत्री साय ने ओडिशा के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति से की भेंट

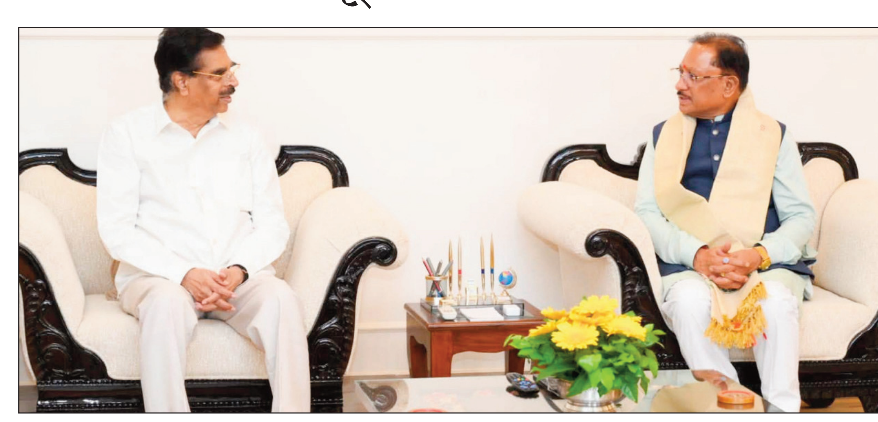

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज भुवनेश्वर स्थित लोक भवन में ओडिशा के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा हुई।

आवारा पशुओं पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर एनएचएआई ने मांगी स्पष्टता

नई दिल्ली। नेशनल हाईवेज़ अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया (NHAI) ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट से आवारा जानवरों के बारे में 19 मई के फ़ैसले पर स्पष्टीकरण मांगा। इसमें खास तौर पर उस निर्देश पर स्पष्टीकरण मांगा गया जिसमें नेशनल हाईवे और एक्सप्रेसवे पर आवारा मवेशियों और अन्य जानवरों से निपटने के लिए एक सिस्टम बनाने को कहा गया था। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने इस अर्ज़ी का ज़िक्र करते हुए इसे जल्द सुनवाई के लिए लिस्ट करने का अनुरोध किया। CJI ने इसे उस स्पेशल बेंच के सामने रखने पर सहमति जताई जिसने मूल निर्देश जारी किए थे। NHAI ने स्पष्टीकरण मांगा है कि आवारा जानवरों को हटाने, ज़ब्त करने और उन्हें आश्रय देने की मुख्य कानूनी ज़िम्मेदारी राज्य के अधिकारियों, स्थानीय निकायों और तय हाईवे प्रशासन की है।

फुटू निकालने खेत गई बच्ची की करंट से मौत

जगदलपुर। खेतों में फसल बचाने के लिए लगाए जाने वाले करंट के तार अब जानलेवा साबित हो रहे हैं। भानपुरी इलाके में ऐसा ही एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां 12 साल की बच्ची की खेत में बिछाए तार में करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना भानपुरी थाना क्षेत्र के ग्राम बनियागांव के जामकोनाड़ी पारा की है। जानकारी के मुताबिक सोमवार सुबह करीब 6 बजे 12 वर्षीय बच्ची फुटू निकालने के लिए खेत गई थी। इसी दौरान वह खेत में लगाए गए करंट वाले तार की चपेट में आ गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। जानकारी के मुताबिक, किसान ने फसल को जंगली जानवरों से बचाने के लिए खेत में झटका मशीन का तार लगाया था। आरोप है कि इस तार में सीधे बिजली लाइन से करंट प्रवाहित किया गया था। इसी करंट की चपेट में आने से बच्ची की जान चली गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं हादसे के बाद परिवार में मातम पसर गया है।

सोनिया गांधी के खिलाफ एफआईआर याचिका खारिज करने का आदेश रद्द, 29 को फिर सुनवाई

नई दिल्ली। 1980 के दशक की शुरुआत में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के वोटर रजिस्ट्रेशन से जुड़े एक अहम कानूनी मामले में, राउज़ एवेन्यू स्थित MP/MLA मामलों की स्पेशल कोर्ट ने मजिस्ट्रेट के उस आदेश को रद्द कर दिया है जिसमें उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने से इनकार कर दिया गया था। एक्टिविस्ट विकास त्रिपाठी की ओर से दायर क्रिमिनल रिविज़न याचिका को मंज़ूरी देते हुए, स्पेशल जज विशाल गोगने ने कहा कि मजिस्ट्रेट कोर्ट का 2025 का खारिज करने वाला आदेश "बिना ठोस कारण वाला" और "गलत" था। उन्होंने मामले को 29 सितंबर को नए सिरे से सुनवाई के लिए निचली अदालत में वापस भेज दिया। एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के पिछले आदेश को रद्द करते हुए, स्पेशल जज गोगने ने शिकायत को खारिज करने के तरीके में प्रक्रियात्मक और कानूनी खामियों की ओर इशारा किया कोर्ट ने कहा कि जिस आदेश को चुनौती दी गई थी, उसमें शिकायत को खारिज करने के कारण नहीं बताए गए थे।

राजस्थान मेयर चुनाव में बीजेपी का जलवा

जयपुर ■ एजेंसी

राजस्थान नगर निगम चुनाव में बीजेपी ने अजमेर, पाली और उदयपुर में मेयर पद पर कब्जा जमाया है। अजमेर में सभी 11 निर्दलीयों के समर्थन से बीजेपी उम्मीदवार को 43 वोट मिले और कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा। वहीं पाली में क्रॉस वोटिंग के बीच बीजेपी की नमिता बुबकिया और उदयपुर में पारस सिंघवी मेयर बने।

नगर निकाय चुनावों में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी कांग्रेस के लिए एक बड़ा झटका यह रहा कि भारतीय जनता पार्टी ने अजमेर नगर निगम में मेयर का पद हासिल कर लिया।

सोमवार (21 सितंबर) को हुए मेयर चुनाव में बीजेपी उम्मीदवार को 43 वोट मिले, जिसमें सभी 11 निर्दलीय पार्षदों ने पार्टी के पक्ष में वोट किया। अजमेर नगर निगम चुनाव में बीजेपी के पास 32 पार्षद थे, लेकिन मेयर पद के लिए हुए वोटिंग में यह संख्या बढ़कर 43 हो गई, जिससे पता चलता है कि सभी 11 निर्दलीय पार्षदों ने बीजेपी का समर्थन किया। कांग्रेस को 37 वोट मिले।यह नतीजा तब आया है जब कांग्रेस नगर निकाय चुनावों में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। अजमेर नगर निगम के सभी 80 वार्डों के नतीजे 14 सितंबर को घोषित किए गए थे, जिसमें कांग्रेस ने 37 वार्ड, बीजेपी ने 32 और निर्दलीय उम्मीदवारों ने 11 वार्ड जीते थे। इससे पहले, राजस्थान के पाली नगर निगम में बीजेपी ने 12 पार्षदों का अतिरिक्त समर्थन पाकर मेयर का पद हासिल किया। मेयर पद के चुनाव में बीजेपी उम्मीदवार नमिता बुबकिया को 33 पार्षदों का समर्थन मिला।

दिल्ली में बड़े नेताओं को एसआईआर नोटिस

ईसीआई ने कहा- नहीं कटेंगे वोटर लिस्ट से नाम

नई दिल्ली ■ एजेंसी

चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न के तहत नोटिस भेजने का मतलब वोटर लिस्ट से नाम हटाना नहीं है। लाल कृष्ण आडवाणी, अरविंद केजरीवाल और रेखा गुप्ता सहित कई हस्तियों को फ़ॉर्म में गड़बड़ियों के चलते नोटिस मिले थे। दिल्ली सीईओ कार्यालय ने भरोसा दिया कि बिना सुनवाई किसी का नाम नहीं हटेगा। भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने कहा कि वोटर लिस्ट में सुधार के लिए चल रहे 'स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न' के दौरान कुछ वोटरों को भेजे गए नोटिस का मतलब यह नहीं है कि उनके नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए जाएंगे। यह स्पष्टीकरण तब आया जब भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उनसे पहले मुख्यमंत्री रहे अरविंद केजरीवाल समेत कई प्रमुख हस्तियों को उनके फ़ॉर्म में गड़बड़ियों के कारण नोटिस भेजे गए। मुख्य चुनाव अधिकारी के कार्यालय के अनुसार, जानकारी की पुष्टि के बाद मुख्यमंत्री का नाम वेरिफ़ाई किया गया। दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और बीजेपी विधायक कैलाश गहलोत उन लोगों में शामिल थे जिन्हें उनकी जानकारी में गड़बड़ी के कारण नोटिस जारी किए गए थे। अन्य नामों में विदेश मंत्री एस. जयशंकर, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और चुनाव आयुक्त एसएस संधू शामिल थे।

हालांकि, CEO ऑफिस ने साफ़ किया कि नोटिस जारी करने का मतलब यह नहीं है कि वोटर लिस्ट से वोटरों के नाम हटा दिए जाएंगे। CEO ऑफिस ने कहा कि सभी संबंधित लोगों को सूचित किया जाता है कि नोटिस जारी करने का मतलब यह नहीं है कि NCT दिल्ली की वोटर लिस्ट से उनके नाम हटा दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि बिना अपनी बात रखने का मौका दिए और उचित, तर्कपूर्ण और अपील करने योग्य आदेश के बिना किसी का नाम नहीं हटाया जा सकता।

भोरमदेव कॉरिडोर की धीमी रफ्तार पर डिप्टी सीएम शर्मा और पर्यटन मंत्री ने जताई नाराजगी

समय-सीमा में काम पूरा करने के दिए निर्देश

कवर्धा ■ दैनन्दिनी

जिले के प्रसिद्ध भोरमदेव मंदिर परिसर में प्रसाद योजना के तहत करीब 146 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन भोरमदेव कॉरिडोर के कार्यों की समीक्षा को लेकर अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल और उपमुख्यमंत्री एवं स्थानीय विधायक विजय शर्मा सहित संबंधित अधिकारी और निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

बैठक में कॉरिडोर के निर्माण कार्य की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। काम की धीमी गति को लेकर ठेकेदारों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में हर हाल में पूरा किया जाए।

सूत्रों के अनुसार, बैठक में दोनों मंत्रियों ने निर्माण एजेंसी और ठेकेदारों को स्पष्ट शब्दों में

कहा कि काम में किसी भी तरह की लेटलतीफी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों को भी निर्माण कार्य की लगातार निगरानी करने और गुणवत्ता के साथ समय पर काम पूरा कराने के निर्देश दिए गए।

भोरमदेव को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिले, यही हमारा प्रयास- मंत्री अग्रवाल

वहीं मीडिया से बातचीत करते हुए पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि हमारा जो भोरमदेव मंदिर है, ऐतिहासिक और प्राचीन मंदिर है, उसकी ऐतिहासिकता बची रहे और उसी के आधार पर भी अभी के निर्माण होंगे। उन्होंने कहा कि भोरमदेव को राष्ट्रीय नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिले, हमारी सरकार का यही प्रयास है।

भोरमदेव को धार्मिक और पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में यह परियोजना महत्वपूर्ण मानी जा रही है। ऐसे में अब निर्माण कार्य की रफ्तार और गुणवत्ता, दोनों पर प्रशासन की निगाह रहेगी।

16 साल की उम्र में अजय देवगन के बेटे युग ने बनाई शानदार बॉडी

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन के बेटे युग देवगन 16 साल के हो चुके हैं और इस उम्र में ही फिटनेस को लेकर उनकी दिलचस्पी साफ नजर आने लगी है। अजय देवगन ने हाल ही में सोशल मीडिया पर बेटे का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें युग जिम में जमकर वर्कआउट करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में युग का फिट और मस्कुलर अंदाज देखने को मिला, वहीं बेटे को मेहनत करते देखकर अजय भी कैमरे के पीछे से इस खास पल को रिकॉर्ड करते नजर आए।

जिम में हैवी वर्कआउट करते दिखे युग

अजय देवगन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर युग के वर्कआउट सेशन की एक झलक साझा की। वीडियो में युग जिम में वेटेड पुल-अप्स करते दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने शर्ट नहीं पहनी हुई थी और उनकी पीठ की मसल्स साफ नजर आ रही थीं। युग ने कमर पर ब्लैक वेटलिफ्टिंग बेल्ट बांध रखा था, जिससे एक भारी वजन प्लेट चेन की मदद से जुड़ी हुई थी। युग इस एक्सरसाइज को पूरी एकाग्रता के साथ करते नजर आए। उन्होंने डार्क एथलेटिक शॉर्ट्स पहन रखे थे और बिना जूतों के ही वर्कआउट कर रहे थे। वीडियो पर बड़े सफेद अक्षरों में 'संडे' की जगह 'सोंडे' लिखा गया था, जो पिता-पुत्र के इस जिम मोमेंट को खास अंदाज में दिखा रहा था। वीडियो में लगे शीशे के रिफ्लेक्शन से यह भी पता चलता है कि अजय खुद अपने बेटे का वर्कआउट रिकॉर्ड कर रहे थे।

बेटे की फिटनेस देखकर खुश हैं अजय

अजय देवगन का यह पोस्ट सिर्फ एक सामान्य जिम वीडियो नहीं था, बल्कि इसमें पिता और बेटे के बीच की बॉन्डिंग भी देखने को मिली। कैमरे के पीछे खड़े अजय जिस तरह युग के वर्कआउट को रिकॉर्ड कर रहे थे, उससे साफ था कि वह बेटे की फिटनेस जर्नी को लेकर काफी दिलचस्पी रखते हैं। युग की फिटनेस की यह झलक ऐसे समय सामने आई है, जब कुछ दिन पहले ही अजय और काजोल ने अपने बेटे का 16वां जन्मदिन मनाया था। दोनों ने सोशल मीडिया के जरिए युग को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी थीं।

जन्मदिन पर अजय ने शेयर की थी अनदेखी तस्वीर

युग के जन्मदिन पर अजय देवगन ने सोशल मीडिया पर बेटे के साथ अपनी एक तस्वीर साझा की थी। यह तस्वीर उनके फैंस के लिए भी खास थी, क्योंकि इसमें दोनों साथ नजर आ रहे थे। तस्वीर के साथ अजय ने बेटे के लिए एक प्यारा सा संदेश लिखा था। अजय ने मजाकिया अंदाज में युग को अपना 'फेवरेट छोटा शरारती' बताते हुए कहा था कि वह अब उतना छोटा नहीं रहा। अभिनेता का यह पोस्ट पिता और बेटे के बीच की खास बॉन्डिंग को दिखाता है।

अजय और काजोल के दो बच्चे

अजय देवगन और काजोल ने साल 1999 में शादी की थी। दोनों की शादी को कई साल हो चुके हैं और उनके दो बच्चे हैं, बेटी न्यासा और बेटा युग। न्यासा भी अक्सर अपने माता-पिता के साथ सोशल मीडिया पर नजर आती हैं, जबकि युग आमतौर पर लाइमलाइट से दूर रहते हैं। हालांकि अजय समय-समय पर सोशल मीडिया पर अपने बच्चों से जुड़े खास पल फैंस के साथ साझा करते रहते हैं। युग का यह जिम वीडियो भी उसी सिलसिले की एक झलक है। कुछ दिनों पहले अजय देवगन के साथ वो एक मंदिर में स्पॉट किए गए थे।

'दृश्यम: द कन्क्लूजन' को लेकर चर्चा में अजय

वर्कफ्रंट की बात करें तो अजय देवगन इन दिनों अपनी चर्चित फिल्म फ्रेंचाइजी 'दृश्यम' की अगली और अंतिम फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। 'दृश्यम: द कन्क्लूजन' 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

फिल्म का निर्देशन अभिषेक पाठक ने किया है। इस फिल्म में अजय एक बार फिर विजय सालगांवकर के किरदार में दिखाई देंगे। उनके साथ तब्बू, श्रिया सरन, मृणाल जाधव और रजत कपूर जैसे कलाकार नजर आएंगे। वहीं प्रकाश राज और जयदीप अहलावत फिल्म की नई कास्ट का हिस्सा हैं। ऐसे में एक तरफ अजय अपनी फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं, तो दूसरी तरफ उनके बेटे युग का जिम वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा बटोर रहा है।

रितेश और जेनेलिया ने लालबागचा राजा में पूजा-अर्चना की

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के गणेशोत्सव में बप्पा के दर्शन के लिए मशहूर पंडालों में मशहूर हस्तियों का आना-जाना लगातार लगा हुआ है। इसी खास मौके पर रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा भी बप्पा के दर्श करने पहुंचे। जेनिलिया ने इस खूबसूरत पल की झलक अपने सोशल मीडिया पर शेयर की है, जिसमें एक्ट्रेस अपने पति रितेश के साथ लालबागचा राजा के दर्शन करने पहुचीं। वीडियो में देखा जा सकता है कि वे नंगे पैर पहुंचे और मशहूर पंडाल में जमा भारी भीड़ के बीच से होते हुए, लालबागचा राजा का आशीर्वाद लिया।

सीएम विजय के यूके ट्रिप का प्रकाश राज ने किया बचाव बोले- 'विदेश जाना, दोस्त से मिलना गलत नहीं'

मुंबई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और सुपरस्टार विजय हाल ही में अपनी विदेश यात्रा को लेकर सुर्खियों में रहे। हाल ही में विजय यूके के सिल्वर्स्टोन में आयोजित ली मैन्स कप रेस के दौरान अभिनेता और अपने दोस्त अजित कुमार को सपोर्ट करने पहुंचे।

इस दौरान अभिनेत्री तृषा भी उनके साथ मौजूद रही। इस विदेश यात्रा को लेकर अब विजय को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच इंडस्ट्री के कई सितारे विजय के समर्थन में आगे आए हैं। प्रकाश राज ने भी मुख्यमंत्री की ट्रोलिंग पर प्रतिक्रिया दी है और विजय और अजित कुमार की मुलाकात पर अपनी राय साझा की। उन्होंने विजय की विदेश यात्रा का समर्थन करते हुए कहा कि 'विदेश जाना और अपने दोस्त से मिलना, कोई गलत बात नहीं है।'

विजय के सपोर्ट में उतरे प्रकाश राज

प्रकाश राज ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा - 'विजय सिर्फ उन ही लोगों के मुख्यमंत्री नहीं हैं, जिन्होंने उन्हें वोट किया है। वह उन लोगों के भी मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने उन्हें वोट नहीं किया है। उन्हें समय दिया जाना चाहिए। विजय की सरकार पर इस तरह के कमेंट करने से पहले उन्हें कम से कम एक साल का तो समय दिया जाना चाहिए। मुझे विजय को लेकर कई शंकाएं थीं, मैंने चुनाव से चुनाव से पहले भी इसके बारे में खुलकर बात की थी, लेकिन वह जीते और सरकार बना ली। अभी तो 120 दिन ही हुए हैं, इसलिए अभी किसी भी नतीजे पर पहुंचना संभव नहीं है। अगर एक साल बाद भी वो ठीक से काम नहीं करते तो फिर उनसे सवाल करूंगा।'

अजित कुमार से मुलाकात पर किया बचाव

प्रकाश राज ने अजित कुमार से विजय की मुलाकात का भी बचाव किया। उन्होंने कहा- 'विजय का विदेश जाना, या अपने दोस्त अजित से मिलना गलत नहीं है। ध्यान तो इस बात पर होना चाहिए कि उनका वो उद्देश्य पूरा हुआ या नहीं, जिसे लेकर वह विदेश गए थे।' प्रकाश राज का इशारा थलापति विजय के उस दावे की ओर था, जिसमें उन्होंने विदेश से कई हजार करोड़ के निवेश लाने की बात कही थी।

नवजात शिशुओं के लिए सीएम विजय की योजना

विजय हाल ही के दिनों में नवजात शिशुओं को लेकर अपनी नई योजना को लेकर भी चर्चा में रहे। सीएम विजय ने आगामी 28 सितंबर को नवजात शिशुओं को 1 ग्राम सोने की अंगूठी की स्कीम शुरू करने का ऐलान किया है। इस स्कीम के पहले फेज के तहत विजय सरकार ने 1.28 लाख सोने की अंगूठियां खरीदी हैं, जो सरकारी अस्पताल में जन्म लेने वाले बच्चों को दी जाएंगी।

सेहत

क्या फलों की शुगर चीनी और मिठाइयों से ज्यादा हेल्दी होती है ?

आजकल हर कोई चीनी और मीठी चीजों को कम खाने की सलाह देता है, लेकिन मीठे फलों को भरपूर खाने के लिए कहा जाता है। आखिर, फलों में नेचुरल शुगर होती है जिससे अक्सर लोग यह सवाल करते हैं कि क्या फलों की शुगर मिठाइयों, कोल्ड ड्रिंक या प्रोसेस्ड फूड में पाई जाने वाली चीनी से वाकई अलग होती है। हार्ट सर्जन डॉक्टर जेरेमी लंदन ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया है कि इसका सच क्या है।

डॉक्टर जेरेमी लंदन के मुताबिक इसका जवाब हां और ना दोनों है। क्योंकि चीनी रासायनिक रूप से समान है, शरीर इसे कैसे पचाता है यह पूरी तरह से इस बात पर निर्भर करता है कि इसके साथ क्या लिया जाता है।

डॉक्टर लंदन ने कहा कि फलों और चीनी की मिठास एक समान ही होती है। अगर शुगर के अणुओं को अलग करके अकेले ही सेवन किया जाए, तो शरीर उन्हें एक तरह से ही लेगा। उन्होंने समझाया कि असली अंतर उन शुगर अणुओं के आसपास मौजूद चीजों में है। रासायनिक रूप से चीनी एक जैसी होती है, लेकिन सेब में भी चीनी होती है और ग्लेज्ड डोनट में भी चीनी होती है। लेकिन जिस तरह से हम इन दोनों चीजों को पचाते हैं, वह पूरी तरह से अलग है। चीनी दोनों में है लेकिन चीनी के साथ क्या मिल रहा है इससे शरीर में बहुत बड़ा फर्क पड़ता है।

साबुत फल शरीर पर क्या असर डालते हैं?

डॉक्टर ने बताया कि साबुत फलों में नेचुरल शुगर होती है, लेकिन इनमें फाइबर और पानी भी होता है। ये पाचन क्रिया को धीमा करते हैं और ब्लड शुगर के स्तर में होने वाली तेजी को कम करने में मदद करते हैं, जो आमतौर पर उतनी ही मात्रा में चीनी का सेवन करने पर होती है। फल पॉलीफेनॉल और सूक्ष्म पोषक तत्वों से भी भरपूर होते हैं, जो उन्हें ऐसे पोषण संबंधी फायदे देता है जो प्रोसेस्ड चीनी में नहीं पाए जाते हैं। सेब में फाइबर होता है। इसमें पानी, पॉलीफेनॉल और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। ये चीजें पाचन क्रिया को धीमा करती हैं। यह आपके शरीर के शुगर को प्रोसेस्ड करने के तरीके को प्रभावित करता है। इसलिए यह आपके ग्लाइसेमिक इंडेक्स के साथ-साथ शुगर के पूरे मेटाबॉलिज्म पर भी असर डालती है।

साबुत फल शुगर के बेहतर विकल्प क्यों हैं?

डॉक्टर लंदन ने इस बात पर जोर दिया कि ये फायदे खासतौर से साबुत फलों पर लागू होते हैं। उन्होंने कहा, जब मैं साबुत फलों की बात करता हूं, तो मेरा मतलब सचमुच साबुत फलों से ही होता है क्योंकि फलों के रस और सूखे फलों में भी ये पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं।

क्या आपने खाई है काली गाजर ?

काली गाजर को सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। गाजर का अलग-अलग रंग उसमें पाए जाने वाले पोषक तत्वों की वजह से होता है। तो चलिए जानते हैं काली गाजर के फायदे? काली गाजर को लाल गाजर की तुलना में ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। एंथोसाइनिन नाम के एंटीऑक्सीडेंट की वजह से गाजर का रंग काला या बैंगनी जैसा हो जाता है। काली गाजर को कहीं भी आसानी से उगाया जा सकता है। काली गाजर को कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने में फायदेमंद माना जाता है। इसके अलावा कोलेस्ट्रॉल घटाने और पाचन को बेहतर बनाने में काली गाजर मदद करती हैं। काली गाजर को सलाद, सब्जी, सूप, जूस या किसी भी दूसरी रेसिपी में इस्तेमाल कर सकते हैं। इसका स्वाद नॉर्मल गाजर जैसा ही होता है।

काली गाजर के फायदे

पाचन के लिए बेहतर- गाजर खाना पाचन के लिए अच्छा है। काली गाजर खाने से पेट की समस्याओं को दूर करने में मदद मिलती है। इसमें भरपूर फाइबर की मात्रा कब्ज की समस्या को दूर कर पेट साफ करने में मदद करता है।

डायबिटीज में फायदेमंद- शुगर के मरीज काली गाजर खा सकते हैं। काली गाजर का जूस पीना डायबिटीज में लाभदायक हो सकता है। रोजाना काली गाजर का जूस पीने से मधुमेह के खतरे को कम किया जा सकता है।

कोलेस्ट्रॉल घटाए- गाजर को डाइट में जरूर शामिल करें। रोजाना गाजर खाने से खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद मिलती है, जो हेल्दी हार्ट को बढ़ावा देता है।

आंखों के लिए फायदेमंद- गाजर को आंखों को सुपरफूड कहा जाता है। आप कोई भी गाजर खा सकते हैं। काली गाजर खाने से आंखों को हेल्दी रखने में मदद मिलती है। इसमें पाए जाने वाले गुण आंखों के लिए अच्छे माने जाते हैं।

सफेद अंडा या ब्राउन अंडा, कौन है सेहत का असली खजाना?

अंडा प्रोटीन का बेहतरीन सोर्स है। ऐसे में इसका सेवन सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है। इसमें कई विटामिन और मिनरल जो स्वास्थ्य को लाभ पहुंचाते हैं। लेकिन अब अंडे भी दो तरह के आते हैं। एक सफेद अंडा और दूसरा होता है ब्राउन अंडा। ऐसे में लोग सफेद और ब्राउन अंडे को लेकर काफी कंफ्यूज रहते हैं। अक्सर लोगों के मन में ये सवाल रहता है कि सेहत के लिए कौन सा अंडा ज्यादा फायदेमंद होता है। क्या सचमुच अंडे के छिलके के रंग का उसके पोषक तत्वों पर भी असर पड़ता है? चलिए यहां हम आपको बताने जा रहे हैं कि कौन से रंग का अंडा सेहत के लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद है।

रंग का अंतर क्यों होता है?

अंडे के छिलके का रंग पूरी तरह से मुर्गी की नस्ल (Breed) पर निर्भर करता है।

सफेद अंडे: सफेद पंखों और सफेद कान वाली मुर्गियां (जैसे- लेगहॉर्न) अक्सर सफेद अंडे देती हैं।

ब्राउन अंडे: लाल या भूरे पंखों और लाल कान वाली मुर्गियां ब्राउन अंडे देती हैं।

क्या पोषण में कोई फर्क है?

दोनों में प्रोटीन, कैलोरी, विटामिन और मिनरल्स की मात्रा लगभग एक जैसी होती है।

प्रोटीन: दोनों में लगभग 6 ग्राम प्रोटीन होता है।

कैलोरी: एक बड़े अंडे में लगभग 70-80 कैलोरी होती है, चाहे वह किसी भी रंग का हो।

अन्य पोषक तत्व: विटामिन B12, D और सेलेनियम की मात्रा भी बराबर होती है।

ब्राउन अंडा महंगा क्यों होता है?

ज्यादातर लोग सोचते हैं कि महंगा है तो बेहतर होगा। लेकिन ब्राउन अंडे के महंगे होने का कारण यह है कि ब्राउन अंडे देने वाली मुर्गियों का आकार बड़ा होता है और उन्हें ज्यादा चारे (Feed) की जरूरत होती है। इसी बढ़ी हुई लागत की वजह से बाजार में इनकी कीमत ज्यादा होती है।

हर नौवें भारतीय पर कैंसर का खतरा! शुरुआती स्टेज में लक्षणों की पहचान से बच सकती है जान

हमिंग साउंड से शरीर के अंदर बड़ी हलचल पैदा होती है। कुछ सेकंड की हमिंग सेहत के लिहाज से बड़े काम की है। क्योंकि हमिंग से नाक के रास्ते नाइट्रिक ऑक्साइड का लेवल तेजी से बढ़ता है ये वही नेचुरल मॉलिक्यूल है, जो रेस्पिरेटरी ट्रैक को सपोर्ट करता है, ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर करता है और शरीर की इम्यूनिटी को मजबूत करने में मदद करता है। मतलब ये कि कुदरत के करीब बैठकर गहरी सांस और हम्मिंग जैसी ब्रीदिंग एक्सरसाइज, ऑक्सीजन फ्लो को बेहतर करने का आसान तरीका है और आज ये बात इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि भारत में कैंसर डराने वाली रफ्तार से बढ़ रहा है। हर 9 भारतीयों में से 1 को जिंदगी में कैंसर का रिस्क है।

दरअसल दिक्कत सिर्फ बीमारी नहीं, दिक्कत देर से पहचान में है। भारत में कैंसर स्टेज-3 और स्टेज-4 में जाकर पकड़ में आते हैं क्योंकि जागरूकता और स्क्रीनिंग कम है और इलाज काफी महंगा है। ध्यान देने वाली बात ये भी है कि मुंह का कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर, सर्वाइकल कैंसर, फेफड़ों और पेट से जुड़े कैंसर के मामले तेजी से चिंता बढ़ा रहे हैं। तंबाकू, एल्कोहल, पॉल्यूशन, मोटापा, गलत खानपान, कम एक्टिविटी और इंफेक्शन ये सब कैंसर के रिस्क को बढ़ाते हैं।

इसीलिए राजसभा की हेल्थ कमेटी ने सस्ती स्क्रीनिंग, जल्दी जांच, बेहतर इलाज और किफायती कैंसर केयर पर सुझाव मांगे हैं। वैसे भी कैंसर से लड़ाई अस्पताल में शुरू नहीं होती, वो शुरू होती है अवेयरनेस से, रेगुलर स्क्रीनिंग से और रोज की अच्छी आदतों से। कैंसर से बचने और कैंसर को रोकने वाला बैरियर मजबूत बनाने के लिए स्वामी रामदेव से जानते हैं खास उपाय।

जानलेवा है कैंसर

कैंसर जानलेवा बीमारी है ये हम सभी को पता है अगर सही वक्त पर कैंसर की पहचान हो जाए तो इलाज संभव है और ठीक होने की संभावना भी बढ़ जाती है। शुरुआती स्टेज में कैंसर के ठीक होने के चांस ज्यादा रहते हैं। 70% लोगों का कैंसर लास्ट स्टेज में डिटेक्ट होता है। यही वजह है कि हर 9 में से एक भारतीय पर कैंसर का खतरा बढ़ रहा है। ऑक्सफोर्ड की रिपोर्ट की मानें तो भारत में 40% महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर की गिरफ्त में है। 10 साल में डेथ रेट में कमी आई है इसका बड़ा कारण समय पर स्क्रीनिंग और जागरुकता को माना जा रहा है। वहीं सर्वाइवल रेट 70% तक पहुंच चुका है।

ग्लूकोमा क्या है और इसे आंखों का 'साइलेंट किलर' क्यों कहा जाता है?

ग्लूकोमा आंख से जुड़ी ऐसी समस्या है जिसमें आंख की रोशनी कम होने लगती है। ग्वालियर स्थित रतन ज्योति नेत्रालय के संस्थापक एवं निदेशक डॉ. पुरेंद्र भसीन, कहते हैं कि ग्लूकोमा में आंख के भीतर दबाव बढ़ने के कारण ऑप्टिक नर्व को नुकसान पहुंचता है। ऑप्टिक नर्व आंखों से दिमाग तक देखने की जानकारी पहुंचाने का काम करती है। जब यह नर्व धीरे-धीरे खराब होने लगती है, तो नजर पर असर पड़ता है। अगर समय रहते इलाज न किया जाए, तो ग्लूकोमा स्थायी अंधेपन का कारण भी बन सकता है।

ग्लूकोमा को क्यों कहते हैं आंखों का साइलेंट किलर?

ग्लूकोमा को आंखों का साइलेंट किलर इसलिए कहा जाता है क्योंकि इसके शुरुआती लक्षण अक्सर नजर नहीं आते। ज्यादातर मामलों में व्यक्ति को तब तक कोई परेशानी महसूस नहीं होती, जब तक बीमारी काफी आगे न बढ़ जाए। धीरे-धीरे देखने का दायरा कम होने लगता है, लेकिन यह बदलाव इतना धीमा होता है कि मरीज को इसका अहसास नहीं हो पाता।

शुरू में नहीं होती ज्यादा परेशानी:

इस बीमारी में सबसे पहले साइड से देखने की क्षमता प्रभावित होती है। शुरुआत में सीधा देखने में कोई दिक्कत नहीं होती, इसलिए लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं। समय के साथ यह समस्या बढ़ती जाती है और अंत में केंद्र की दृष्टि भी प्रभावित हो सकती है। एक बार ऑप्टिक नर्व को हुआ नुकसान ठीक नहीं किया जा सकता, इसलिए शुरुआती पहचान बेहद जरूरी है।

ग्लूकोमा होने का सबसे ज्यादा खतरा किसे है?

ग्लूकोमा किसी भी उम्र में हो सकता है, लेकिन 40 साल से अधिक उम्र के लोगों में इसका खतरा ज्यादा रहता है। इसके अलावा 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में ग्लूकोमा होने की संभावना छह गुना अधिक होती है। जिन लोगों के परिवार में ग्लूकोमा का इतिहास रहा हो, जिन्हें डायबिटीज या हाई ब्लड प्रेशर की समस्या हो, या जो लंबे समय तक स्टेरॉइड दवाओं का इस्तेमाल करते हैं, उनमें इसका जोखिम बढ़ सकता है।

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

मंगलवार 22 सितंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

जिला पंचायत की बैठक 25 को

बिलासपुर। जिला पंचायत की बैठक 25 सितम्बर 2026 को आहूत की गई है। इसके अंतर्गत सामान्य सभा की बैठक दोपहर 12 बजे एवं सामान्य प्रशासन समिति की बैठक दोपहर 4 बजे होगी। बैठक की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी करेंगे। सामान्य सभा की बैठक में लोक निर्माण विभाग, वन विभाग, खनिज विभाग, कृषि विभाग, आदिवासी विकास विभाग सहित अन्य विभागों के अंतर्गत संचालित योजनाओं की जानकारी एवं समीक्षा की जाएगी। सामान्य प्रशासन समिति की बैठक में पूर्व बैठक का पालन प्रतिवेदन, उद्यान विभाग, क्रेडा विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की जानकारी एवं समीक्षा तथा अध्यक्ष श्री सूर्यवंशी की अनुमति से अन्य विषयों पर चर्चा की जाएगी।

राज्य महिला आयोग ने सुनी महिलाओं की शिकायत

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू की अध्यक्षता में आज जल संसाधन विभाग स्थित प्रार्थना सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में जिले में महिला उत्पीड़न एवं महिला संबंधी शिकायतों से जुड़े कुल 13 प्रकरणों पर सुनवाई की गई। आयोग की अध्यक्ष ने उपस्थित पक्षकारों की समस्याएं और उनके पक्ष सुने तथा प्रकरणों की स्थिति के अनुसार आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान एक प्रकरण में आवेदिका और अनावेदक दोनों पक्ष उपस्थित हुए। दोनों पक्षों ने आपसी मतभेद समाप्त कर आपसी सहमति से साथ रहने की बात कही। उन्होंने भविष्य में आपस में लड़ाई-झगड़ा नहीं करने पर भी सहमति व्यक्त की। दोनों पक्षों के बीच समझौता होने के बाद आयोग द्वारा प्रकरण को नस्तीबद्ध करने की कार्रवाई की गई। एक अन्य प्रकरण में आवेदिका उपस्थित हुईं, जबकि अनावेदक अनुपस्थित रहा। प्रकरण भरण-पोषण से संबंधित था तथा आवेदिका का आवेदन न्यायालय में लंबित होना बताया गया।

विद्याभारती मध्यक्षेत्र क्षेत्रीय कबड्डी प्रतियोगिता के समापन समारोह में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

अनुशासन, आत्मविश्वास और ऊर्जा के साथ लक्ष्य की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है खेल : अरुण साव

रायपुर ■ दैनन्दिनी

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव आज चांपा के सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित विद्याभारती मध्यक्षेत्र क्षेत्रीय कबड्डी खेलकूद प्रतियोगिता-2026 के समापन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। समापन कार्यक्रम में विजेता टीम को मोमेन्टो, प्रशस्ति पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया गया। सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े भी समापन कार्यक्रम में शामिल हुईं। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कार्यक्रम में कहा कि अच्छे स्वास्थ्य के लिए खेलना बेहद जरूरी है, क्योंकि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। विद्यार्थियों और युवाओं को प्रतिदिन खेल के लिए समय देना चाहिए। मैदान में बहाया गया पसीना शरीर में ऊर्जा और जीवन में उत्साह बनाए रखता है। उन्होंने कहा कि विद्या भारती विद्यार्थियों और युवाओं के जीवन को अनुशासन तथा संस्कारों से जोड़ते हुए उन्हें अपने लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि खेल में कोई जीतता है तो कोई हारता है, लेकिन सीखते सभी हैं। खेल हमें अच्छा स्वास्थ्य, अनुशासन, आत्मविश्वास और ऊर्जा प्रदान करता है तथा लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। एक अच्छा खिलाड़ी अनुशासित जीवन जीता है और ऊर्जा

से भरपूर रहता है। श्री साव ने कहा कि जब कोई बच्चा छोटा होता है और चलने का प्रयास करता है, तो वह कई बार गिरता है, लेकिन हर बार उठकर दोबारा चलने का प्रयास करता है। अंततः वही बच्चा चलना और दौड़ना सीख जाता है।

इसी प्रकार जीवन में बार-बार असफलता मिलने पर निराश होने के बजाय उससे सीख लेकर पुनः प्रयास करना चाहिए। मन, समर्पण और संकल्प के साथ किए गए प्रयास से सफलता प्राप्त की जा सकती है। आत्मविश्वास और ऊर्जा से भरा व्यक्ति ही जीवन में आगे बढ़ता है। असफलता से निराश होने के बजाय उससे सीख लेकर और अधिक मजबूती के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेल और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े ने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर के विद्यालयों में विद्यार्थियों को अनुशासन और शिष्टाचार की शिक्षा दी जाती है, जो उनके जीवन में एक अच्छा इंसान बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर के विद्यार्थी शिक्षा के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों एवं खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

पूर्व संसदीय सचिव श्री अंबेश जांगड़े, पूर्व सांसद श्रीमती कमला देवी पाटले, जिला पंचायत की अध्यक्ष इंजी. सत्यलता आनंद मिरी, नगर पालिका चांपा के अध्यक्ष श्री प्रदीप नामदेव, नगर पालिका जांजगीर-नैला की अध्यक्ष श्रीमती रेखा देवा गढ़ेवाल, जिला पंचायत के सदस्य श्री राजकुमार साहू, श्री हनुमान प्रसाद, श्री शान्ति कुमार सोनी, श्री प्रशांत सिंह ठाकुर, श्रीमती रजनी सत्तु साहू, श्री अमर सुल्तानिया, इंजी रवि पांडेय, श्री कार्तिकेश्वर स्वर्णकार, श्री सलीम मेमन, श्री कमल देवांगन, श्री जुड़ावन सिंह ठाकुर और श्री सुधीर देव सहित अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक, विद्यार्थी एवं खिलाड़ी बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

युवाओं का सम्मान देश की ताकत का सम्मान है: सुमन एक्का

रायपुर ■ दैनन्दिनी

वक्ता मंच एवं जन एकता फाउंडेशन द्वारा युवा अभिव्यक्ति समारोह का आयोजन विमतारा सभागार में संपन्न हुआ । इस अवसर पर विभिन्न मोर्चों पर उल्लेखनीय कार्य कर रहे राजधानी व आसपास के 50 युवाओं को युवा गौरव सम्मान प्रदान किया गया। समारोह की मुख्य अतिथि उपसंचालक (वित्त) श्रद्धा सुमन एक्का थी । वरिष्ठ साहित्यकार राजेंद्र शर्मा ने अध्यक्षता की । मेकाहारा के अधीक्षक डॉ संतोष सोनकर, डॉ अंशुली कलश एवं डॉ उपेंद्र त्रिवेदी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए । वक्ता मंच के अध्यक्ष राजेश पराते ने जानकारी दी है कि इस वर्ष के युवा सम्मान हेतु जल संरक्षण, लोक कला, जैव संरक्षण ,रक्तदान, छत्तीसगढ़ी भाषा के विकास, खेल,लेखन, पत्रकारिता सहित शिक्षा व चिकित्सा में नवाचारी कार्यों में कार्यरत युवाओं का चयन किया गया था ।

समारोह का आरंभ प्रांजल सिंह राजपूत के भरथरी एवं खेम यादव के छत्तीसगढ़ी लोक गीत गायन से हुआ l इसके बाद प्रणम तिवारी ने कत्थक नृत्य, डॉ अनुराग सिंग विश्वकर्मा ने जैव एवं वन संरक्षण, ऐश्वर्य पाठक ने खेल, डॉ वैभव बेमेतरिहा ने जल संरक्षण , डॉ अर्चना तुपट ने साहित्य तथा अमित कुमार चौहान ने मीडिया अध्ययनवेत्ता के क्षेत्र में जारी अपने कार्यों, उपलब्धियों व चुनौतियों की जानकारी सदन को प्रदान की । समारोह के दौरान सारंगढ़ के युवा कवि विजय कोसले के काव्य संग्रह "आईना" का विमोचन किया गया ।

विजय कोसले द्वारा अपने काव्य संग्रह की कुछ कविताओं का पाठ भी किया गया । समारोह को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि युवा देश की ताकत होते है इसलिए युवाओं का सम्मान देश की ताकत का सम्मान है । छत्तीसगढ़ युवाओं का प्रदेश है । इस प्रदेश की पूंजी धान के भंडार के साथ युवाओं का जोश भी है । यहां का युवा

वक्ता मंच द्वारा 50 युवा सम्मानित

मेहनती व ईमानदार होने के साथ ही सबके लिए अपने हृदय में आदर का भाव संजोकर रखता है । राजधानी व आसपास कार्यरत ऐसे असाधारण युवाओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए यह सम्मान समारोह आयोजित किया गया है , जिन्होंने अपने पसीने से उत्कृष्टता व सफलता की नई इबारत लिखी है ।

इस समारोह के विशेष आकर्षण के रूप में चयनित 50 युवाओं को युवा गौरव सम्मान प्रदान किया गया । समारोह का प्रभावी संचालन वक्ता मंच के अध्यक्ष राजेश पराते एवम् संयोजन वक्ता मंच के संयोजक शुभम साहू द्वारा किया गया । इस अवसर पर विवेक बेहरा,मनीष अवस्थी, राजाराम रसिक, ज्योति शुक्ला, कुमुद लाड, प्रमोद पटले, सी एल दुबे, देव मानिकपुरी, हरिशंकर सोनी, फलेंद्र साहू, हेमलाल पटेल, खेमराज साहू, पूर्णेश डडसेना सहित टीम वक्ता मंच के समस्त पदाधिकारी उपस्थित थे l प्रदेश भर में नशे की रोकथाम हेतु स्वैच्छिक प्रयासों को तीव्र करने के संकल्प के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ ।

आज सम्मानित होनेवालों में प्रणम तिवारी (कत्थक), डॉ दीप श्री अग्रवाल (दंत चिकित्सा) , योगेश मेघानी (व्यवसाय), अखिल कलश (नवाचार), राधिका पटेल (कुश्ती), डॉ अनुराग विश्वकर्मा (जैव विविधता संरक्षण), मनोज देवांगन (फोटो जर्नलिज्म), रेणु वर्मा (नर्सिंग), जाकिर हुसैन (पत्रकारिता), मोहित सिंह सेंगर (पत्रकारिता),दिनेश यदु (पर्यावरण पर जमीनी लेखन), ऐश्वर्या पाठक (खेल), महेन्द्र सिंह ध्रुव (रक्तदान), गौतम चौबे (लोक कला), अमित चौहान (मीडिया अध्ययन वेत्ता), डॉ वैभव बेमेतरिहा (जल संरक्षण), देव हीरा लहरी (छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य), खेमराज साहू (एडवेंचर टूरिज्म), नेहा पटनायक (भरत नाट्यम), श्रुति संघी जैन (शास्त्रीय संगीत), यामिनी धीवर (राष्ट्रीय खिलाड़ी), खिलेश साहू (महानदी बचाओ आंदोलन), खेम यादव (लोक कला), ऋषभ देव साहू (युवा वाणी), गौरव अग्रवाल (समाज सेवा), अंकुर शुक्ला (गोंड आर्ट), प्रांजल सिंह राजपूत (भरथरी), यतीश श्रीवास्तव (लेखन), आरव शुक्ला (काव्य पाठ), डॉ अजय त्रिपाठी (छात्र आंदोलन), रमन हलवाई (पत्रकारिता), ऋतु राज साहू (छत्तीसगढ़ी भाषा को शासकीय स्तर पर स्थापित करने हेतु), रिंकू अग्रवाल (रक्तदान), हेमलाल पटेल (लोक कला), प्रवीण पाठक (पत्रकारिता) सहित 50 व्यक्तित्व शामिल है ।

गरियाबंद के 6 नेताओं की कांग्रेस में हुई वापसी

गोरेलाल सिन्हा राघोबा महाड़िक, ऋतिक सिन्हा समेत 06 नेताओं की घर वापसी से जिले की राजनीति गरमाई

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने अनुशासन समिति की अनुशंसा पर गरियाबंद जिले के 06 नेताओं समेत प्रदेश के 20 नेताओं का निष्कासन रद्द कर दिया है। करीब दो साल बाद हुए इस फैसले से जिले की कांग्रेस राजनीति में नई हलचल तेज हो गई है। पार्टी ने स्पष्ट किया है कि कुछ हाईप्रोफाइल अनुशासन संबंधी मामले अभी भी लंबित हैं और उन पर अलग से निर्णय लिया जाएगा।

इधर गरियाबंद जिले में कांग्रेस नेताओं की निष्कासन समाप्त होने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल बना हुआ है। कोपरा में कांग्रेस नेता गोरेलाल सिन्हा की कांग्रेस में वापसी होने पर नगर के कांग्रेस नेता और कार्यकर्ताओं ने स्थानीय बस स्टैंड में आतिशबाजी फूलमाला और गुलाल लगाकर जोशीला स्वागत किया। इस अवसर पर मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं को कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी ठाकुर ओंकार सिंह ने गोरेलाल सिन्हा की वापसी पर कहा प्रदेश कांग्रेस ने नगरीय निकाय चुनाव के दौरान निष्कासित नेताओं की कांग्रेस में वापसी करने के आदेश जारी किया है उसका हम सब स्वागत करते हैं निश्चित ही इस निर्णय से कांग्रेस पार्टी मजबूत होगा आगामी विधानसभा चुनाव में हम सब साथ मिलकर विपक्षी दल से पूरे दमखम के साथ सामना करेंगे।

इस मौके पर प्रमुख रूप से वरिष्ठ कांग्रेस नेता ठाकुर राम साहू केजुराम साहू गिरधारी राम साहू अवधराम सिन्हा पार्षद विक्रम उर्फ विक्की साहू पार्षद शिवम सिन्हा बेदराम साहू डॉ रमेश साहू भारत देवांगन शंकर पुरैना रिकेश साहू वेदप्रकाश साहू इशू तारक कोमल साहू अश्वनी साहू पार्षद प्रतिनिधि बेदराम साहू दीपक देवांगन सोनू सतनामी एन कुमार यादव सहित बड़े संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेता गोरेलाल सिन्हा को बधाई देते हुए स्वागत किया।

गरियाबंद जिले से गोरेलाल सिन्हा राघोबा महाड़िक, ऋतिक सिन्हा समेत सात नेताओं भविष्य प्रधान,भानुप्रताप साहू, सुशील सोनी और महावीर साहू की पार्टी में वापसी हुई है। लंबे समय बाद इन नेताओं की संगठन में वापसी को जिले में कांग्रेस के लिए अहम राजनीतिक घटनाक्रम माना जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस ने रायपुर, मुंगेली, गरियाबंद, राजनांदगांव और कोंडागांव जिले के नेताओं की वापसी किया है।

अनुशासन समिति ने पिछले दो वर्षों से लंबित प्रकरणों की समीक्षा के बाद यह फैसला लिया। निकाय चुनाव और संगठनात्मक गतिविधियों के दौरान निष्कासित किए गए कई नेताओं के आवेदन पर विचार करते हुए उनकी वापसी का रास्ता साफ किया गया।

हालांकि, पार्टी ने कुछ चर्चित अनुशासन मामलों में अभी फैसला सुरक्षित रखा है। इन मामलों में संबंधित जिला कांग्रेस कमेटियों और डीसीसी से अभिमत मांगा गया है।

संपत्ति विक्रय में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल ने रचा नया कीर्तिमान

- सुनील त्रिपाठी
(सहायक संचालक, जनसंपर्क)

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ में आवासीय सुविधाओं के विस्तार और अधोसंरचना विकास को नई गति देने की दिशा में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल ने संपत्ति विक्रय के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा विकास कार्यों में गति, पारदर्शिता और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में वित्त, आवास एवं पर्यावरण मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में मंडल द्वारा संपत्तियों के बेहतर प्रबंधन, विक्रय प्रक्रिया को सरल बनाने और हितग्राहियों की सुविधा को प्राथमिकता देने के प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आया है।

मंडल के उपलब्ध आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2024 से अगस्त 2026 तक मात्र 2 वर्ष 8 माह की अवधि में 7,650 संपत्तियों का विक्रय किया गया है। इस अवधि में संपत्ति विक्रय का वार्षिक औसत लगभग 2,869 संपत्ति रहा है। यह आंकड़ा पिछले पांच वर्षों के प्रदर्शन की तुलना में मंडल की विक्रय क्षमता में आई उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है।

वर्ष 2019 से 2023 तक पांच वर्षों की अवधि में मंडल द्वारा कुल 7,793 संपत्तियों का विक्रय किया गया था। इस दौरान वार्षिक औसत लगभग 1,559 संपत्ति रहा। इसके मुकाबले वर्ष 2024 से अगस्त 2026 की वर्तमान अवधि में वार्षिक औसत बढ़कर लगभग 2,869 संपत्ति हो गया है। अर्थात पिछले पांच वर्षों की तुलना में वर्तमान अवधि में मंडल के वार्षिक औसत संपत्ति विक्रय में लगभग 84 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

केवल संख्या नहीं, विक्रय मूल्य में भी बड़ी छलांग

मंडल की उपलब्धि केवल संपत्तियों की संख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि संपत्ति विक्रय से प्राप्त राशि में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2024 से अगस्त 2026 तक मंडल द्वारा कुल 1,609.18 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों का विक्रय किया गया है। इस अवधि में संपत्ति विक्रय का वार्षिक औसत लगभग 603 करोड़ रुपये रहा। वहीं वर्ष 2019 से 2023 तक पांच वर्षों में कुल 1,362.21 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों का विक्रय हुआ था। इस अवधि में वार्षिक औसत विक्रय मूल्य 272.44 करोड़ रुपये रहा। वर्तमान अवधि में यह औसत बढ़कर लगभग 603 करोड़ रुपये हो गया है। इस तरह मंडल के वार्षिक औसत संपत्ति विक्रय मूल्य में पिछले पांच वर्षों की तुलना में दो गुने से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है।

ये आंकड़े बताते हैं कि मंडल द्वारा उपलब्ध संपत्तियों के प्रबंधन और विक्रय को लेकर अपनाई गई कार्ययोजना प्रभावी रही है। संपत्तियों के बेहतर उपयोग, मांग के अनुरूप विक्रय व्यवस्था, हितग्राहियों के लिए प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने तथा लंबित मामलों के निराकरण पर ध्यान देने से विक्रय गतिविधियों में तेजी आई है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में विकास और सुशासन पर जोर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार विकास योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ-साथ शासन की प्रक्रियाओं को अधिक सरल, पारदर्शी और परिणामोन्मुख बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। नागरिकों को समय पर सुविधाएं उपलब्ध हों और सरकारी संस्थाओं की संपत्तियों का बेहतर उपयोग हो, इस दिशा में भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। गृह निर्माण मंडल की संपत्ति विक्रय में सामने आई यह वृद्धि इसी व्यापक दृष्टिकोण से जुड़ी हुई है। मंडल की संपत्तियों के प्रभावी उपयोग से एक ओर उपलब्ध संसाधनों का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित हो रहा है, वहीं दूसरी ओर नागरिकों को आवासीय एवं व्यावसायिक संपत्तियां प्राप्त करने के अवसर मिल रहे हैं।

वित्त एवं आवास मंत्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में परिणामोन्मुख कार्यप्रणाली

वित्त, आवास एवं पर्यावरण मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी द्वारा विभागीय संस्थाओं में कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और परिणाम आधारित बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। गृह निर्माण मंडल की संपत्तियों के बेहतर प्रबंधन और विक्रय प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए भी इसी दृष्टिकोण के अनुरूप कार्य किया जा रहा है। मंडल द्वारा उपलब्ध संपत्तियों के विक्रय में तेजी के साथ-साथ बकाया मामलों के निराकरण और हितग्राहियों को राहत देने के लिए विशेष योजनाओं को भी प्रभावी रूप से लागू किया गया है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण वन टाइम सेटलमेंट-2 (ओटीएस-2) योजना है।

ओटीएस-2 योजना से 1,584 संपत्तियों का निराकरण

मंडल द्वारा बकाया राशि के मामलों के समाधान और संपत्तियों के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से लागू की गई वन टाइम सेटलमेंट-2 छूट योजना को भी व्यापक सफलता मिली है। योजना के अंतर्गत 1 मार्च 2025 से वर्तमान दिनांक तक 1,584 संपत्तियों का विक्रय एवं निराकरण किया गया है। इन संपत्तियों का कुल मूल्य लगभग 238.67 करोड़ रुपये है। ओटीएस-2 योजना के माध्यम से लंबे समय से लंबित बकाया मामलों के निराकरण का रास्ता आसान हुआ है। इससे हितग्राहियों को अपनी देनदारियों के समाधान का अवसर मिला, वहीं मंडल की संपत्तियों के प्रभावी उपयोग और वित्तीय प्रबंधन को भी मजबूती मिली है।

हितग्राही-केंद्रित व्यवस्था बनी बदलाव का आधार

गृह निर्माण मंडल की संपत्ति विक्रय में हुई वृद्धि के पीछे केवल अधिक संपत्तियों को बाजार में उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि हितग्राहियों की सुविधा को केंद्र में रखकर प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने का प्रयास भी महत्वपूर्ण है। आवासीय और व्यावसायिक संपत्तियों के विक्रय में पारदर्शिता, सरलता और सुविधा पर जोर दिए जाने से नागरिकों के लिए संपत्ति खरीदने की प्रक्रिया अधिक सहज हुई है।

मंडल द्वारा संपत्तियों के बेहतर प्रबंधन के साथ उनकी मांग, स्थान और उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए विक्रय प्रक्रिया को गति देने का प्रयास किया जा रहा है। इससे मंडल की उपलब्ध संपत्तियों का उपयोग बढ़ा है और नागरिकों को अपनी आवश्यकता के अनुरूप संपत्ति प्राप्त करने के अवसर भी मिले हैं।

आंकड़े बता रहे बदलाव की तस्वीर

यदि पिछले पांच वर्षों और वर्तमान अवधि के प्रदर्शन की तुलना की जाए तो मंडल की उपलब्धि स्पष्ट रूप से सामने आती है। वर्ष 2019 से 2023 के दौरान जहां पांच वर्षों में 7,793 संपत्तियों का विक्रय हुआ, वहीं वर्ष 2024 से अगस्त 2026 तक केवल 32 माह में 7,650 संपत्तियां विक्रय की जा चुकी हैं। इसी तरह संपत्ति विक्रय से प्राप्त राशि भी पांच वर्षों के 1,362.21 करोड़ रुपये की तुलना में वर्तमान 32 माह में 1,609.18 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। इस तरह कम अवधि में लगभग पिछले पांच वर्षों के बराबर संपत्तियों का विक्रय और उससे भी अधिक मूल्य की संपत्तियों का विक्रय मंडल की कार्यप्रणाली में आए बदलाव को रेखांकित करता है।

आवास और अधोसंरचना विकास के लिए मजबूत आधार

गृह निर्माण मंडल का मूल उद्देश्य प्रदेश के नागरिकों को बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ आवासीय एवं अधोसंरचनात्मक विकास को बढ़ावा देना है। संपत्ति विक्रय में आई तेजी से मंडल के संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित होने के साथ भविष्य की आवासीय एवं विकास परियोजनाओं के लिए भी बेहतर आधार तैयार हो रहा है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की विकासोन्मुखी नीतियों और वित्त एवं आवास मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में मंडल द्वारा "संपत्ति प्रबंधन से विकास की गति" की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। संपत्तियों का बेहतर उपयोग, लंबित मामलों का निराकरण, हितग्राहियों को सुविधाजनक सेवाएं और पारदर्शी विक्रय व्यवस्थाकृइन सभी प्रयासों का सम्मिलित प्रभाव मंडल के प्रदर्शन में दिखाई दे रहा है।

गृह निर्माण मंडल की यह उपलब्धि इस बात का संकेत है कि जब सरकारी संपत्तियों का बेहतर प्रबंधन, सरल प्रक्रिया और हितग्राही-केंद्रित दृष्टिकोण एक साथ आगे बढ़ते हैं, तो उसका सीधा लाभ नागरिकों और विकास गतिविधियों को मिलता है। आने वाले समय में भी मंडल द्वारा पारदर्शी एवं सुविधाजनक व्यवस्था को और मजबूत करते हुए संपत्ति विक्रय को गति देने तथा प्रदेश में आवास एवं अधोसंरचना विकास को नई ऊंचाई देने के प्रयास जारी रहेंगे।

:- संपादकीय :-

सुविधा का लेन-देन

इसमें दो राय नहीं कि पिछले एक दशक में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई देश में लेन-देन के एक लोकप्रिय और विश्वसनीय माध्यम के रूप में स्थापित हुआ है। इससे भी बढ़कर भारत की निरंतर डिजिटल होती अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ भी बना है। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा जारी अध्यादेश में दो हजार रुपये से अधिक के लेन-देन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर चार्जेज कारोबारियों के ऊपर लगाने की बात कही गई है। इस घोषणा ने सरल-सुलभ लेन-देन करने वाले करोड़ों उपभोक्ताओं के मन में कई सवालों को जन्म दिया है। हालांकि, राहतकारी यह है कि नोटिफिकेशन में दो हजार तक के यूपीआई लेन-देन और रुपे डेबिट कार्ड पेमेंट्स पर कोई शुल्क न लगाने की बात कही गई है। लेकिन इससे देश में अधिक मूल्य वाले यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर चार्जेज लगाने का रास्ता खुल गया है। बैंकों, सेवा प्रदाता संस्थाओं व विभिन्न एसोसिएशनों के प्रतिनिधि जल्द ही दो हजार रुपये से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर शुल्क निर्धारण करेंगे। निस्संदेह किसी भी बेहतर सुविधा के लिए उपभोक्ता की भी आर्थिक जवाबदेही बनती है। उल्लेखनीय है कि साल 2016-17 में महज 0.07 लाख करोड़ रुपये के लेन-देन मूल्य से यूपीआई के जरिये 314 लाख करोड़ रुपये का ट्रांजेक्शन हुआ। वैसे आम उपभोक्ता पर सीधे तौर पर एमडीआर लगने का प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि देश में 96 फीसदी लेन-देन दो हजार रुपये की सीमा में ही आता है। लेकिन यदि कारोबारियों पर दो हजार से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर शुल्क लगता है तो येन-केन-प्रकारेण वे इसका बोझ उपभोक्ताओं पर डालने का ही प्रयास करेंगे। वास्तव में आज जब साइबर फ्रॉड के मामलों में लगातार अप्रत्याशित तेजी आ रही है तो हर रोज होने वाले करोड़ों डिजिटल भुगतानों की सुरक्षा करना भी जरूरी हो जाता है। विशेषकर, छोटे विक्रेताओं और आम उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए।निस्संदेह, सरकार का यह तर्क वाजिब है कि इतने बड़े इकोसिस्टम को हमेशा सरकारी अनुदान के भरोसे नहीं चलाया जा सकता है। यह भी हकीकत है कि सरकार को यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर लागू इसलिये करना पड़ा क्योंकि यूपीआई नेटवर्क चलाने के लिए हर साल बीस हजार करोड़ का बोझ उसे वहन करना पड़ता है। पहले सरकार ने डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए ग्राहक व पेमेंट लेने वाले व्यापारियों पर कोई फीस नहीं लगायी थी। लेकिन यूपीआई नेटवर्क के विस्तार के साथ इसे चलाने का खर्च भी लगातार बढ़ता चला गया।

राशिफल

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आज आप तरक्की की नई ऊंचाइयों को छुएंगे और दुनिया भर में आपका नाम होगा। आज आपको व्यापार में किसी व्यक्ति से बड़ा धन लाभ कमाने का अवसर प्राप्त होगा। आज घर में फंक्शन होने से आपके शेड्यूल में बदलाव आ सकता है , जिसकी वजह से काम थोड़ा सा विलंब हो सकता है।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज आप अपने व्यापारिक मामलों में किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह मशविरा कर सकते हैं। इस राशि के छात्र अपने कॉम्पटीशन की तैयारी को जारी रखें , बहुत जल्द ही आपको सकारात्मक परिणाम हासिल होंगे। आज आपको जीवनसाथी से काम में पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके अनुकूल बना रहेगा। आज का दिन आप अपने तरीके से बिताने की कोशिश करेंगे और आज आपका काम में भी मन लगेगा। बिजनेसमैन आज जरूरी मीटिंग अटेंड कर सकते हैं , जिससे आपके व्यापार को ग्रोथ मिलेगी।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। आज आपको नौकरी में आगे बढ? के बेहतरीन मौके मिलेंगे और आपकी आय में इजाफा होगा। आज आप कुछ वक्त बच्चों के साथ गुजारेंगे , आपको खुशी मिलेगी और आपका माइंड भी फ्रेश फील करेगा।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आपको तमाम उलझनों से मुक्ति मिलेगी और आज आपके परिवार में धार्मिक अनुष्ठान की योजना भी बन सकती है। आप अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए कुछ अच्छे बदलाव करने की कोशिश करेंगे।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए उत्तम साबित होगा। आज आप सबसे पहले पेंडिंग कार्यों को पूरा करेंगे , उसके बाद ही किसी अन्य कार्य की योजना बनायेंगे। आज आपको ऑफिस में किसी काम को लेकर थोड़ा विचार-विमर्श करना पड़ सकता है। आज आपका मन रचनात्मक चीजों की तरफ थोड़ा ज्यादा रहेगा , आप पेंटिंग भी बना सकते हैं।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आज आप बिजनेस में अच्छा धन लाभ कमायेंगे और आपकी भौतिक सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। आज आपको राजनीतिक रिश्तों का बड़ा फायदा होगा , कोई अटका हुआ कार्य आपका पूरा हो जायेगा।

वृश्चिक राशि :आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप किसी नए काम की शुरूआत करने से पहले उसकी पूरी जानकारी इक्ा कर लें। आज आपके जीवन में नयी जिम्मेदारियां आएंगी , जिसे आप बखूबी पूरा करने में सफल रहेंगे।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप आपको धन लाभ कमाने के कई बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगे, जिनका लाभ लेकर आप अपने जीवन में तरक्की कर सकते हैं। आज आप दोस्त की बर्थ-डे पार्टी में जायेंगे जहां बाकी दोस्तों के साथ मस्ती करने का मौका मिलेगा।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहेगा। आज आप मन लगाकर काम करेंगे , जिसके आपको अच्छे रिजल्ट्स मिलेंगे। आज किसी जिम्मेदारी को अनदेखा करने से आपको बचना चाहिए, इससे आपकी इमेज अच्छी बनेगी।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए रोज की अपेक्षा बेहतर रहेगा। आज आप व्यापार के लंबित मामलों को किसी करीबी की मदद से सुलझाने में सक्षम रहेंगे। आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से होगी, जिससे आपको भविष्य में फायदा हो सकता है।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप सामाजिक कार्यों में अपना योगदान देंगें , समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आज आप घर पर डेकोरेशन का काम करवा सकते हैं , जिससे घर आकर्षक और सुंदर लगेगा। इस राशि के रियल स्टेट का बिजनेस कर रहे व्यक्ति आज हाउसिंग प्रोजेक्ट को लॉन्च कर सकते हैं ।

सू- दोकू क्र.166

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.165 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

शांति, स्वतंत्रता और समानता का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र

ललित गर्ग ।

संयुक्त राष्ट्र ने भी एआई की इन संभावनाओं और जोखिमों के बीच संतुलन तथा उसके जिम्मेदार शासन की आवश्यकता पर बल दिया है। इसलिए लोकतंत्र का डिजिटल भविष्य केवल तकनीकी क्षमता से तय नहीं होगा, बल्कि इस बात से तय होगा कि तकनीक के पीछे मानवीय विवेक कितना मजबूत है। एआई लोकतंत्र का विकल्प नहीं, लोकतांत्रिक विवेक का सहायक होना चाहिए। तकनीक नागरिक को नियंत्रित करने का उपकरण नहीं, नागरिक को सशक्त करने का माध्यम बने-यही लोकतांत्रिक तकनीकी संस्कृति की कसौटी होनी चाहिए। लोकतंत्र की दूसरी बड़ी आवश्यकता है संवाद की संस्कृति। असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी शक्ति है। सरकार से प्रश्न पूछना राष्ट्र-विरोध नहीं; विपक्ष की आलोचना लोकतंत्र-विरोध नहीं; मीडिया द्वारा सत्ता से जवाब मांगना व्यवस्था-विरोध नहीं। बल्कि यही लोकतंत्र की जीवंतता के प्रमाण हैं। जब असहमति को दबाया जाता है, तब लोकतंत्र का संवाद समाप्त होता है और उसके स्थान पर भय जन्म लेता है। इसीलिए लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए राजनीतिक दलों में भी आंतरिक लोकतंत्र जरूरी है। जो राजनीतिक संगठन अपने भीतर विचार-विमर्श, पारदर्शिता और नेतृत्व परिवर्तन की स्वस्थ परंपरा नहीं रखते, वे व्यापक समाज में लोकतांत्रिक संस्कार कैसे विकसित कर सकते हैं?

लोकतंत्र की दूसरी बड़ी आवश्यकता है संवाद की संस्कृति। असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी शक्ति है। सरकार से प्रश्न पूछना राष्ट्र-विरोध नहीं; विपक्ष की आलोचना लोकतंत्र-विरोध नहीं; मीडिया द्वारा सत्ता से जवाब मांगना व्यवस्था-विरोध नहीं। बल्कि यही लोकतंत्र की जीवंतता के प्रमाण हैं।

लोकतंत्र केवल मतपत्र पर लगाई गई मुहर का नाम नहीं है। यह उस विश्वास का नाम है जिसमें प्रत्येक नागरिक को अपनी आवाज, अपनी गरिमा और अपने अधिकारों के साथ राष्ट्र-निर्माण में सहभागी होने का अवसर मिलता है। एक तरह से शांति, स्वतंत्रता, समानता एवं सह-जीवन का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र। हर वर्ष 15 सितंबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस इसी लोकतांत्रिक चेतना को मजबूत करने का अवसर है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2007 में इस दिवस की स्थापना की थी और 2008 से इसका आयोजन हो रहा है। 2026 में अंतर-संसदीय संघ-आईपीयू ने लोकतंत्र दिवस के लिए मानवाधिकारों को केंद्र में लाएं को प्रमुख विषय बनाया है। इसका संदेश स्पष्ट है कि मानवाधिकार लोकतंत्र के सजावटी तत्व नहीं, बल्कि उसकी बुनियादी शर्त हैं। मानवाधिकार सुरक्षित नहीं हैं तो चुनाव, संसद और संविधान की मौजूदगी के बावजूद लोकतंत्र अधूरा रहेगा। राजनीतिविज्ञानआज दुनिया के सामने लोकतंत्र का सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या लोकतंत्र केवल संस्थागत ढांचे के रूप में जीवित है या उसके भीतर नागरिक स्वतंत्रता, समानता, न्याय, संवाद और मानवीय गरिमा भी सुरक्षित हैं? संयुक्त राष्ट्र भी 2026 में लोकतंत्र को केवल चुनावों तक सीमित न मानते हुए मानवाधिकार, कानून के शासन और नागरिकों की सार्थक भागीदारी को उसकी अनिवार्य आत्मा मान रहा है। लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि सत्ता का अंतिम स्रोत जनता होती है। लेकिन इसकी कमजोरी भी यहीं से शुरू होती है। जब जनता अपनी जिम्मेदारी भूल जाती है, जब नागरिक अपने अधिकारों के प्रति तो जागरूक रहते हैं लेकिन कर्तव्यों के प्रति उदासीन हो जाते हैं, जब चुनाव जाति, धर्म, क्षेत्र, धनबल, बाहुबल या झूठे प्रचार के प्रभाव में आने लगते हैं, तब लोकतंत्र का बाहरी ढांचा तो बचा रहता है, लेकिन उसकी आत्मा कमजोर होने लगती है।आज दुनिया के अनेक देशों में लोकतांत्रिक संस्थाओं के सामने गंभीर चुनौतियां हैं। राजनीतिक ध्रूवीकरण बढ़ रहा है, संस्थाओं की स्वतंत्रता पर सवाल उठ रहे हैं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों पर दबाव दिखाई देता है तथा सत्ता के केंद्रीकरण की प्रवृत्ति कई समाजों में चिंता का कारण बन रही है। लोकतंत्र के नाम पर चुनाव हो जाना पर्याप्त नहीं है। यदि चुनाव के बाद नागरिकों की आवाज को महत्व न मिले, विपक्ष को शत्रु समझा जाए, मीडिया स्वतंत्र न रहे, न्यायपालिका पर दबाव हो और सत्ता जवाबदेही से मुक्त होने लगे, तो लोकतंत्र धीरे-धीरे बहुमत की निरंकुशता में बदल सकता है। महात्मा गांधी का लोकतंत्र संबंधी चिंतन आज भी इस संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने कहा था- मेरे विचार में लोकतंत्र में सबसे कमजोर व्यक्ति को वही अवसर मिलना चाहिए जो सबसे शक्तिशाली व्यक्ति को मिलता गांधी के लिए लोकतंत्र केवल राजनीतिक सत्ता प्राप्त करने की व्यवस्था नहीं था, बल्कि कमजोर से कमजोर व्यक्ति को सम्मान, अवसर और न्याय उपलब्ध कराने की व्यवस्था था। वे लोकतंत्र को अहिंसा, अनुशासन, आत्मसंयम और नागरिक चेतना से जोड़ते थे। उनका स्पष्ट विचार था कि लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। सरकारविंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ लोकतंत्र शासन की सबसे खराब प्रणाली है, उन सभी प्रणालियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है।ह्व यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की क्षमता है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है-सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण। जहाँ सत्ता परिवर्तन के लिए हिंसा, क्रांति या रक्तपात की आवश्यकता नहीं पड़ती और मतदाता अपनी इच्छा से सरकार बदल सकता है,

वहाँ लोकतंत्र की जड़ें मजबूत होती हैं। लेकिन इसके लिए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन व्यवस्था, स्वतंत्र न्यायपालिका, स्वतंत्र मीडिया और सक्रिय नागरिक समाज आवश्यक हैं।आज लोकतंत्र के सामने एक नई और जटिल चुनौती कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई और डिजिटल तकनीक के रूप में भी सामने आई है। तकनीक लोकतंत्र को अधिक सहभागी और पारदर्शी बना सकती है।

सरकारी योजनाओं की निगरानी, नागरिक शिकायतों के समाधान, नीति-निर्माण में आंकड़ों के उपयोग और जनता की राय को शासन तक पहुंचाने में एआई उपयोगी हो सकता है। लेकिन यही तकनीक गलत सूचना, डीपफेक, लक्षित दुष्प्रचार, हेट स्पीच और जनमत को प्रभावित करने का माध्यम भी बन सकती है।

नजरिया | प्रो. संजय द्विवेदी

कॅरियर की अंधी दौड़ में हांफती युवा पीढ़ी!

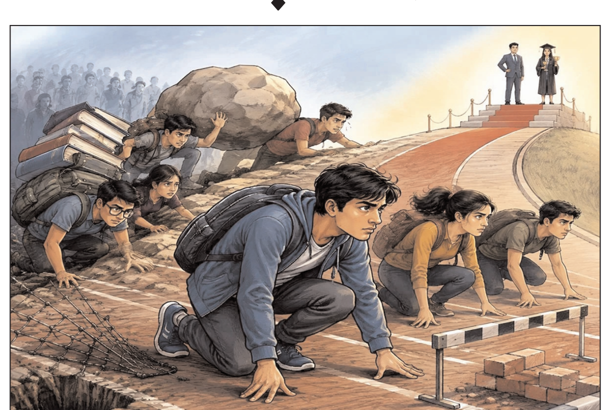

कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने हमारे सामने नई चुनौतियां पेश की हैं। वे बेहतर सहायक से ज्यादा तनाव के वाहक हैं। युवाओं में एआई के कारण नौकरियां जाने और खुद के अप्रासंगिक हो जाने का भय बैठ गया है। वे इस पूरे दृश्य को बहुत चिंता से देख रहे हैं। री-स्किलिंग का दबाव उन्हें गहरे भय में डाल रहा है।भारत युवाओं का देश है। जाहिर है ऐसे देश की चिंताएं बहुत अलग होती हैं। उसकी ज्यादातर आबादी को शिक्षा, रोजगार और सुंदर जीवन की कामना होती है। उनकी महत्वाकाक्षाएं, अवसरों की होड़ और दौड़। पाने की खुशी और न मिलने का आक्रोश सब साझा होते हैं। करियर में सफल होने, जल्दी और ज्यादा पाने की कामनाएं इस दौर का मूल्य हैं। ऐसे में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों को गहरी चुनौती है। संकट के बादल गहरे हैं। समाधान के सूत्र न्यूनतम।सरकारों में नौकरियों के दरवाजे सिकुड़ रहे हैं। ज्यादातर नौकरियां निजी क्षेत्रों में ही हैं। नौ से पांच बजे की पक्की नौकरियां अब स्वप्न ही हैं। उनकी जगह गिग इकोनामी (फ्री लांस, कांट्रैक्ट वर्क) ने ले ली है। आर्थिक स्वतंत्रता की तो छोड़िए यह माडल भविष्य की अनिश्चितता और वित्तीय अस्थिरता भी ला रहा है, जिसके नाते बढ़ता मानसिक तनाव और अवसाद संकट को गहरा कर रहा है। हिंदुस्तान अलग तरह से चलता रहा है। परिवार इसकी प्राणवायु रहे हैं। परिवार का कोई एक आदमी नौकरी पर रहता था, शेष अपने घर-इलाके-गांव में बैठकर स्थानीय स्तर पर जो कर सकते थे करते थे। परिवार की छाया में सुरक्षा थी, संरक्षण था, बच्चों को संस्कारित करने के पारिवारिक उपक्रम थे। नई व्यवस्था ने एक परिवार में कई परिवार खड़े कर दिए हैं। इससे एक की जगह अब चार परिवार, चार चूल्हे और चार व्यवस्थाएं खड़ी करनी पड़ रही है। आप कितना भी कमा रहे हैं वह कम ही है। इसने नई पीढ़ी को ईएमआई के दुष्चक्र में फंसा कर नई व्यवस्थाओं का गुलाम बना दिया है। परिवार व्यवस्था भारत की संस्कृति का आधार रही है। वह संस्कारशाला भी है। मनोविज्ञान

कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने हमारे सामने नई चुनौतियां पेश की हैं। वे बेहतर सहायक से ज्यादा तनाव के वाहक हैं। युवाओं में एआई के कारण नौकरियां जाने और खुद के अप्रासंगिक हो जाने का भय बैठ गया है। वे इस पूरे दृश्य को बहुत चिंता से देख रहे हैं। री-स्किलिंग का दबाव उन्हें गहरे भय में डाल रहा है। इससे मानसिक थकान होना स्वाभाविक ही है। इस समय सबसे बड़ी चिंता कार्य और जीवन संतुलन की है। वर्क फ्राम होम और डिजिटल कनेक्टिविटी ने सारा कुछ बदलकर रख दिया है। काम के घंटे अब प्रायः 24 घंटे ही हैं। देर रात तक ई-मेल, रिर्पोट्स और मैसेज का जवाब देते हुए युवा ह्यआलवेज आनह्ण मोड में रहते हैं। जिससे पारिवारिक जीवन, व्यक्तिगत समय और नींद सब प्रभावित हो रही है। बर्नआउट की बढ़ती दर, काम के अनिश्चित घंटे, स्पर्धा का वातावरण और टारगेट पूरे करने का दबाव साथ चलता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन(डब्लूएचओ) ने बर्नआउट को प्रोफेशनल बीमारी मान लिया है। यह अब भारतीय कारपोरेट जगत में एक अनिवार्य समस्या बन गयी है।

सोशल मीडिया से बनती छवियांसोशल मीडिया ने समाज में अलग तरह की स्पर्धा की छवियां प्रस्तुत की हैं। अपने सुखद, आनंद के क्षणों को वायरल करने की बीमारी दूसरे की पीड़ा का कारण बन जाती है। किसी की बड़ी पदस्थापना, उसकी पार्टियां, रील्स, पर्यटन की तस्वीरें, महंगी जीवनशैली का विज्ञापन करना, सफलताओं के हाईलाइट्स देखकर तुलना और स्पर्धा की बातें तेज होती हैं। इससे हीनभावना और तनाव का जन्म भी होता है। परिजन और बच्चे भी अपने पालकों से ऐसी ही जीवन शैली की अपेक्षा करते हैं। ऐसे समय में युवाओं के लिए तनाव प्रबंधन की विधियां समझने और उन्हें जीवन की ठोस सच्चाइयों से जोड़ने की जरूरत है।

विचार | अजय दीक्षित

बिजली उपभोक्ता से ऊर्जा दाता बनने की ओर बढ़ते कदम

देश में स्वच्छ और हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ आम नागरिकों को ऊर्जा उत्पादन में सहभागी बनाने की दिशा में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना महत्वपूर्ण पहल बनकर सामने आई है। योजना ने घरों की छतों को केवल मकान का हिस्सा नहीं रहने दिया, बल्कि उन्हें बिजली उत्पादन की छोटी इकाइयों में बदलने का रास्ता खोला है। रूफटॉप सोलर संयंत्र के माध्यम से परिवार अपनी बिजली की जरूरतें पूरी करने के साथ अतिरिक्त बिजली को निर्धारित प्रावधानों के अनुसार विद्युत ग्रिड में भेज सकते हैं। इस तरह बिजली का एक सामान्य उपभोक्ता ऊर्जा उत्पादन की प्रक्रिया में सहभागी बनकर ऊर्जा दाताकी भूमिका की ओर बढ़ रहा है।भारत में सौर ऊर्जा की व्यापक संभावनाओं को देखते हुए घरों की खाली छतों का उपयोग बिजली उत्पादन के लिए करना स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत पात्र परिवार अपने घरों पर रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित करा सकते हैं और निर्धारित प्रावधानों के अनुसार केंद्र एवं राज्य सरकार से वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकते हैं।योजना के तहत मिलने वाली सब्सिडी से संयंत्र स्थापित करने की प्रारंभिक लागत का बोझ कम होता है। वहीं, सौर ऊर्जा से घर की बिजली जरूरतों की पूर्ति होने पर पारंपरिक बिजली पर निर्भरता और घरेलू बिजली खर्च में कमी आने की संभावना रहती है। आवश्यकता से अधिक बिजली उत्पादन होने पर अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेजने की व्यवस्था नागरिकों को ऊर्जा व्यवस्था से सीधे जोड़ती है।

पहले लत लगाओ, फिर जमकर कमाओ

कोई सुविधा बिलकुल मुफ्त मिले तो खुश होने से पहले एक सवाल जरूर पूछिए–कहीं ऐसा तो नहीं कि आज जो मुफ्त है, उसकी कीमत कल आपकी आदत वसूलने वाली है ?यूपीआई पर शुल्क और शुल्क पर भी जीएसटी की खबर ने कलमदास को कुछ सोचने पर मजबूर कर दिया है। ह्यपहले आदत लगाओ, फिर जमकर कमाओ–यह कोई घोषित स्लोगन नहीं है। न जाने कब से कमाई के दीवानों का यह मौन-मंत्र चला आ रहा है। इसे न मंच से बोला जाता है, न विज्ञापन में लिखा जाता है; बस मन ही मन दोहराया जाता है और पूरी निष्ठा से अमल में लाया जाता है।सुना है, एक जमाने में लोगों को मुफ्त में चाय पिलाई जाती थी। लोगों ने बड़े चाव से पी। फिर चाय पीने की आदत लगी और चाय बिकने लगी। लोगों को शायद लगा भी होगा कि यह लत गलत लग गई है। मगर लत ही क्या, जिसे गलत समझ लेने भर से छोड़ा जा सके! आज चाय केवल पेय नहीं, जीवनशैली है। सुबह की शुरूआत चाय से होती है और कई महत्वपूर्ण फैसले भी उसके साथ ही होते हैं।वैसे गुरुत्वाकर्षण से कम शक्तिशाली मुफ्ताकर्षण भी नहीं होता। मुफ्त का आकर्षण ऐसा है कि उसकी ओर खिंचने के लिए किसी को बहुत समझाने की जरूरत नहीं पड़ती। आनंद बख्शी ने शमा-परवाना के माध्यम से एक अलग तरह के आकर्षण का वर्णन किया था। शमा मना करती रही, पर परवाना जलने के लिए चला आया। मुफ्त के मामले में तो शमा मना भी नहीं करती। वह तो हाथ फैलाकर बुलाती है–आइए, बिलकुल मुफ्त है! यही बिलकुल मुफ्त को और आकर्षक बना देता है।

चाय का उदाहरण अब पुराना हो चुका है। कुछ वर्ष पहले मुफ्त डेटा ने मोबाइल उपभोक्ताओं को ऐसा आकर्षित किया कि डेटा उनकी जरूरत से बढ़कर आदत बन गया। आज स्थिति यह है कि आटे से अधिक चिंता डेटा की होती है। कोई व्यक्ति भूखा रह सकता है, लेकिन बे-डाटा रहना कठिन है।फिर मुफ्त होम डिलीवरी आई।

पहले दरवाजे तक सामान बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के पहुंचने की आदत डाली गई। जब आदत पक्की हो गई तो डिलीवरी शुल्क धीरे-धीरे प्रकट होने लगा। अब मुफ्त की दुनिया में नई-नई संभावनाएं दिखाई देती हैं। जो सुविधा कल तक मुफ्त थी, उसके साथ आज कोई छोटा-सा शुल्क जुड़ जाता है। कल वही शुल्क बड़ा हो सकता है और परसों उसके ऊपर कोई नया शुल्क भी आ सकता है।उपभोक्ता तब याद करता है कि कभी यह सब मुफ्त था। लेकिन बाजार मुस्कुराकर कहता है–मुफ्त था, तभी तो आदत लगी थी। यूपीआई शुल्क को लेकर व्यवसायी भी यही सोच रहे हैं।

शब्द सामर्थ्य -166

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :
1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे
1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुस्सबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

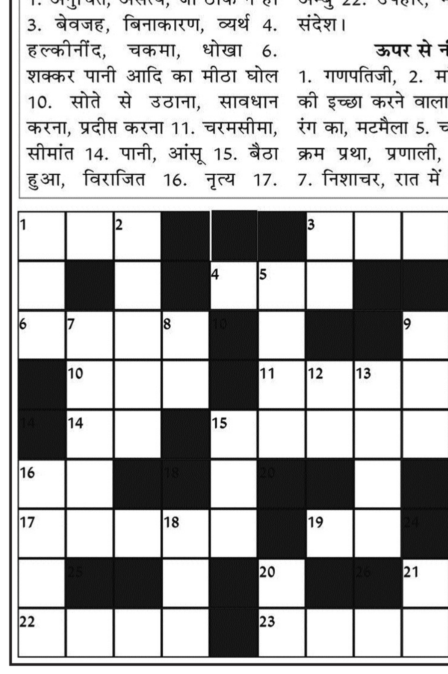

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 165 का हल

अ	भि	षे	क		प	स		
जा	त		थ	प	थ	पा	ना	
य	र	का	नी		भ्र		र	श्मि
ब	घा	र		क	ष्ट	प्र	द	
	त	ना	त	नी		र्व		ब
अ		मा		ज	मा	त		ल
स	जा					क	ज	रा
बा		बे	स	हा	रा		ग	म
ब	गु	ला		रा	ज	दू	त	

सूरज की ऊर्जा से रोशन हुआ बहरासी का विद्यालय परिसर

5.38 लाख की लागत से सोलर हाईमास्ट से मिली नई रोशनी

एमसीबी (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक असर अब शिक्षा संस्थानों में भी दिखाई देने लगा है।

इसी क्रम में जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) मद से विकासखंड भरतपुर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहरासी में 5.38 लाख रुपये की लागत से सोलर हाईमास्ट संयंत्र स्थापित किया गया है। इस पहल से विद्यालय परिसर रात के समय भी प्रकाश से जगमगा रहा है और विद्यार्थियों तथा शिक्षकों को अंधेरे से निजात मिली है।

दूरस्थ विद्यालय में रोशनी की नई व्यवस्था

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहरासी जिला मुख्यालय से लगभग 90 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्र में स्थित इस विद्यालय में रात के समय पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं होने के कारण विद्यालय परिसर अंधेरे में डूब जाता था।

जिला प्रशासन के प्रयासों से क्रियान्वयन एजेंसी क्रेडा के माध्यम से यहां सोलर हाईमास्ट संयंत्र स्थापित किया गया। यह संयंत्र सौर ऊर्जा से संचालित होता है, जिससे विद्यालय परिसर में प्रकाश की स्थायी और पर्यावरण अनुकूल व्यवस्था सुनिश्चित हुई है।

रातभर रोशनी, लगभग 50 मीटर क्षेत्र में उजाला

सोलर हाईमास्ट संयंत्र स्थापित होने के बाद विद्यालय परिसर में पूरी रात निर्बाध रूप से प्रकाश उपलब्ध हो रहा है। संयंत्र से विद्यालय परिसर के साथ-साथ आसपास के लगभग 50 मीटर क्षेत्र में भी रोशनी पहुंच रही है। इससे विद्यालय में रात्रिकालीन समय में अंधेरे की समस्या दूर हुई है। सौर ऊर्जा आधारित व्यवस्था होने के कारण बिजली पर निर्भरता कम हुई है और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी यह एक उपयोगी पहल साबित हो रही है।

विद्यालय के अध्यापकों के अनुसार पहले रात के समय विद्यालय परिसर में अंधेरा रहने के कारण असुविधा होती थी। हाई मास्ट की स्थापना के बाद पूरा परिसर रोशन रहता है। इससे विद्यालय में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है तथा आसपास के क्षेत्र को भी प्रकाश का लाभ मिल रहा है।

प्रकाश के साथ सुरक्षा और सुविधा का बढ़ा भरोसा :

सोलर हाई मास्ट संयंत्र ने बहरासी विद्यालय के लिए केवल प्रकाश की सुविधा ही नहीं बढ़ाई, बल्कि विद्यालय परिसर को अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। रात में विद्यालय परिसर और आसपास का क्षेत्र रोशन रहने से अंधेरे के कारण होने वाली असुविधा कम हुई है। विद्यालय के अध्यापकों ने इस सुविधा के लिए जिला प्रशासन, एमसीबी की पहल और क्रेडा विभाग के माध्यम से किए गए कार्य की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

दूरस्थ क्षेत्र में स्थित विद्यालय में डीएमएफ मद की राशि का उपयोग कर सौर ऊर्जा आधारित प्रकाश व्यवस्था स्थापित करना विकास कार्यों के प्रभावी उपयोग का उदाहरण है। यह पहल शिक्षा संस्थानों में सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।

एसआईएस के तहत सुरक्षा गार्ड पंजीयन हेतु विशेष शिविर का आयोजन

बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र गोंदिया (महाराष्ट्र) के द्वारा प्रायवेट सिक्यूरिटी एजेंसी एसआईएस लिमिटेड की ओर से जिले के 10वीं एवं 12वीं उत्तीर्ण युवाओं को रोजगार प्रदान करने रजिस्ट्रेशन कैंप का आयोजन किया गया है। पुलिस अधीक्षक किरण गंगाराम चव्हाण ने बताया कि आवेदित उम्मीदवारों को पंजीकृत कर प्रशिक्षणोपरांत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सुरक्षा गार्ड में रोजगार दिया जाएगा। जिसके अंतर्गत पंजीयन शिविर का आयोजन थाना परिसर गुरूर में 22 सितंबर, थाना डौण्डीलोहारा में 23 सितंबर, थाना डौण्डी में 24 सितंबर, थाना देवरी में 25 सितंबर, थाना अर्जुंदा में 26 सितंबर, थाना गुण्डरदेही में 28 सितंबर, चैकी परिसर संजारी में 29 सितंबर एवं थाना परिसर मंगचुवा में 30 सितंबर 2026 को सुबह 10.30 बजे से शाम 04 बजे तक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आवेदक को भर्ती से संबंधित आवश्यक दस्तावेज, शैक्षणिक प्रमाण पत्र, दो पासपोर्ट साईज फोटो, आधार कार्ड की मूल एवं छायाप्रति के साथ उपस्थित होना अनिवार्य है।

कुसुमकसा के गैरेजपारा में पनपा अवैध शराब का कारोबार, ग्रामीणों में आक्रोश

बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले के डौंडी तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम कुसुमकसा का गैरेजपारा मोहल्ला इन दिनों अवैध नशे के कारोबार का गढ़ बन चुका है। बेखौफ फल-फूल रहे इस काले धंधे ने पूरे क्षेत्र में डर, अशांति और अराजकता का माहौल पैदा कर दिया है। स्थानीय निवासियों के मुताबिक, रवि ठाकुर और मोहनिश राजाभोज नाम के व्यक्ति लंबे समय से बिना किसी खौफ के खुलेआम शराब की अवैध बिक्री कर रहे हैं। 24 घंटे चलने वाले इस गैर-कानूनी तंत्र के कारण आए दिन गाली-गलौज, आपसी रंजिश और मारपीट जैसी घटनाएं आम बात हो गई हैं, जिससे आम जनता की शांति और सुरक्षा पूरी तरह छिन चुकी है।

ग्रामीणों का दबी जुबान में कहना है कि इस अवैध नेटवर्क को एक दलबदलू नेता का सीधा संरक्षण प्राप्त है। वहीं, राजहरा पुलिस की भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं। पुलिस की गाड़ियां सायरन बजाते हुए मोहल्ले से गुजर तो जाती हैं, लेकिन इस अवैध कारोबार पर कोई ठोस असर नहीं पड़ता। हाल ही में बालोद पुलिस अधीक्षक द्वारा दिए गए कड़े निर्देशों के जवाब में भी पुलिस महकमे ने सिर्फ कागजी खानापूर्ति कर वरिष्ठ अधिकारियों को सब कुछ ठीक होने का भ्रम दे दिया, जबकि धरातल पर स्थिति जस की तस बनी हुई है।

अवैध मदिरा की सहज उपलब्धता का सबसे दुखद और दूरगामी परिणाम गांव के युवाओं पर देखने को मिल रहा है। बिना किसी नियम-कायदे के धड़ल्ले से जारी इस नशे की लत में फंसकर कई होनहार युवा अपनी पढ़ाई और रोजगार से दूर होते जा रहे हैं। न केवल उनका स्वास्थ्य गिर रहा है, बल्कि समाज में उनका सम्मान भी घट रहा है। गांव में अचानक स्कूल छोड़ने वाले छात्रों की संख्या और बेरोजगारी की दर में इजाफा हुआ है। इसके साथ ही, युवा पारिवारिक कर्तव्यों से मुंह मोड़ रहे हैं। ग्रामीणों को डर है कि यदि समय रहते इस सामाजिक बुराई पर लगाम नहीं कसी गई, तो गांव का आर्थिक और सामाजिक संतुलन पूरी तरह बिगड़ जाएगा।

राजहरा में गणेशोत्सव की धूम : वार्ड 17 में विराजित भव्य गजानन के दर्शन को उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़

बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले का प्रसिद्ध लौह नगरी नगर दल्ली राजहरा इन दिनों पूरी तरह से भक्तिमय माहौल में डूबा हुआ है। नगर के जगह जगह गणेशोत्सव की धूम है। वही नगर के वार्ड क्रमांक 17 में 'फ्रेंड्स गणेश युवा विकास समिति' के तत्वाधान में आयोजित गणेशोत्सव क्षेत्रवासियों के आकर्षण और अटूट आस्था का मुख्य केंद्र बना हुआ है। यहाँ स्थापित की गई भगवान श्री गणेश की भव्य एवं मनमोहक प्रतिमा लोगों के मन को मोह रही है।

प्रतिदिन शाम होते ही पूजा-अर्चना और महाआरती के समय यहाँ श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ता है। बप्पा के इस मनभावन रूप का दीदार करने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए न केवल स्थानीय नागरिक, बल्कि दूर-दराज़ के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु रोजाना पहुँच रहे हैं। समिति द्वारा पूरे पांडाल और आसपास के परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है, जिससे पूरे क्षेत्र का वातावरण भक्ति के पावन रंगों से सराबोर नज़र आ रहा है।

गणेशोत्सव के इस भव्य और सफल आयोजन को सुचारू रूप से संचालित करने में समिति के सभी पदाधिकारी और सदस्य पूरी लगन के साथ दिन-रात जुटे हुए हैं। समिति के अध्यक्ष शंकर साहू के नेतृत्व में पूरी टीम आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के लिए प्रयासरत है। उनके साथ उपाध्यक्ष मोरध्वज ठाकुर, सचिव भोला मानिकपुरी, कोषाध्यक्ष भूषण यादव तथा सह सचिव करण यादव अपनी-अपनी जिम्मेदारियाँ पूरी निष्ठा से संभाल रहे हैं।

इसके अलावा, आयोजन की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने और व्यवस्था बनाए रखने में कमलेश यादव, महादेव वर्मा, उमाशंकर यादव, पुरुषोत्तम यादव एवं हरेंद्र साहू सहित समिति के अन्य सदस्यों का विशेष एवं सराहनीय योगदान मिल रहा है। समिति के सदस्यों की मेहनत और श्रद्धालुओं की अपार श्रद्धा के कारण वार्ड 17 का यह गणेशोत्सव पूरे शहर में चर्चा और आकर्षण का विषय बना हुआ है।

लक्ष्मण को मिला अपना पक्का घर सपना था पक्के आशियाने का

एमसीबी। हर परिवार का सपना होता है कि उसका अपना एक सुरक्षित और पक्का घर हो, जहां वह अपने परिवार के साथ निश्चिंत होकर जीवन बिता सके। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह सपना कई बार लंबे समय तक अधूरा रह जाता है। ऐसे परिवारों के लिए पीएम जनमन आवास योजना उम्मीद और सहारे का माध्यम बन रही है। जनपद पंचायत खड़गवां के ग्राम नेवारी निवासी लक्ष्मण पिता सुखलाल के जीवन में भी इस योजना ने पक्के आवास का सपना साकार कर नई उम्मीद जगाई है।

वर्षों से था पक्के घर का इंतजार :

लक्ष्मण के लिए अपने परिवार के लिए पक्का और सुरक्षित घर बनाना आसान नहीं था। सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण मकान निर्माण उनके लिए बड़ी चुनौती थी। ऐसे समय में शासन की पीएम जनमन आवास योजना उनके परिवार के लिए सहारा बनी। वर्ष 2023-24 में उनका आवास स्वीकृत हुआ और 2 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई। योजना से मिले सहयोग ने उनके पक्के घर के सपने को हकीकत में बदलने का रास्ता आसान किया।

सहायता मिली तो सपने ने लिया आकार :

आवास के लिए स्वीकृत राशि मिलने के बाद लक्ष्मण के परिवार के लिए अपने घर को पक्का और सुरक्षित स्वरूप देना संभव हुआ। आज पक्का मकान उनके परिवार के लिए सिर्फ ईंट और सीमेंट से बना घर नहीं, बल्कि सुरक्षा, स्थायित्व और सम्मान का आधार है। पक्की छत मिलने से मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों और असुरक्षित आवास की चिंता से राहत मिली है।

पक्के घर के साथ बढ़ा आत्मविश्वास :

पक्का आवास मिलने से लक्ष्मण के परिवार के जीवन में सुविधा के साथ आत्मविश्वास भी बढ़ा है। सुरक्षित घर ने परिवार को बेहतर वातावरण दिया है और भविष्य को लेकर उम्मीद मजबूत हुई है। लक्ष्मण का परिवार अब अपने आशियाने को केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि सुरक्षित और खुशहाल भविष्य की नींव के रूप में देखता है।

दो मासूमों से दुष्कर्म का आरोपी 24 घंटे में गिरफ्तार

बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले के गुण्डरदेही थाना क्षेत्र में दो नाबालिग बालिकाओं के साथ हुए जघन्य दुष्कर्म के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। संवेदनशील मामले में तत्परता दिखाते हुए गुण्डरदेही पुलिस टीम ने मुख्य आरोपी को घटना के मात्र 24 घंटे के भीतर धर दबोचा और वैधानिक प्रक्रिया पूरी कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

पुलिस की इस त्वरित और कड़े रुख वाली कार्रवाई से क्षेत्र में अपराधियों के हौसले पस्त हुए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना 17 सितंबर 2026 की है। पीड़िता की नानी (प्रार्थिया) ने गुण्डरदेही थाने में शिकायत दर्ज कराई कि उसकी नातिन और उसकी सहेली को आरोपी ललित ठाकुर (36 वर्ष), पिता स्वर्गीय लक्ष्मण सिंह ठाकुर ने अपनी नीयत का शिकार बनाया। आरोपी ने दोनों मासूमों को ₹50 का लालच दिया और किसी से भी जिक्र न करने की शर्त पर अपने साथ ले गया। उसने दोनों बालिकाओं को अपनी साइकिल के कैरियर पर बिठाकर गमछे से बांधा और एक सुनसान इलाके में ले जाकर दरिंदगी को अंजाम दिया।

मासूमों के साथ हुए इस अपराध की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए उच्च अधिकारियों को तुरंत सूचित किया गया। बालोद पुलिस अधीक्षक किरण गंगाराम चव्हाण के कुशल मार्गदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चंद्रकांत गवर्ना और पुलिस अनुविभागीय अधिकारी (गुण्डरदेही) श्रीमती श्रुति सिंह के पर्यवेक्षण में एक विशेष जांच दल का गठन किया गया।

थाना प्रभारी निरीक्षक रविशंकर पाण्डेय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल दबिश देकर आरोपी ललित ठाकुर की घेराबंदी की। प्रार्थिया की रिपोर्ट पर आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 65(2), 137(2) तथा पॉक्सो एक्ट के तहत गंभीर अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। टीम की मुस्तैदी के कारण आरोपी 24 घंटे के अंदर ही शिकंजे में आ गया, जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। इस सफल कार्रवाई में निरीक्षक रविशंकर पाण्डेय, उप निरीक्षक मनीष शेण्डे, पीएसआई सृष्टि ध्रुव, धनेश्वर कंवर, आरक्षक यशवंत देशमुख, पंकज तारम और महिला आरक्षक कमलेश्वरी साहू की महत्वपूर्ण भूमिका रही। बालोद पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अपराधियों के खिलाफ इस तरह का सख्त अभियान आगे भी जारी रहेगा।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग (वि/या) संभाग रायगढ़ (छ.ग.)

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक 6356/NIT-14/2026-27/ व.ले.लि. **दिनांक 18/09/2026**

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि -28-09-2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि -08-10-2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि -09-10-2026 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक
निविदा प्रपत्र की कीमत -750/- रूपये
निविदाकारों की श्रेणी - ई पंजीयन के अंतर्गत श्रेणी" द" से "अ" तक

स.क्र.	एन.आई.टी. क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	अमानत राशि (रू. में)
1	2	3	4	5
1	14 T0147	जिला रायगढ़ के अंतर्गत सेक्शन क्र. 1 में एयर कंडीशनर, कूलर, पंखे इत्यादि का विद्युत मरम्मत कार्य (Excluding GST)	3.25	3250.00
2	14 T0148	जिला रायगढ़ के अंतर्गत सेक्शन क्र. 2 में एयर कंडीशनर, कूलर, पंखे इत्यादि का विद्युत मरम्मत कार्य (Excluding GST)	3.32	3320.00
3	14 T0149	जिला रायगढ़ के लो. नि. वि. वि/यां उपसंभाग रायगढ़ के अंतर्गत सर्किट हाउस एवं रेस्ट हाउस भवनों में एसी. फ्रिज, आर. ओ., पंप तथा पंखे का विद्युत मरम्मत कार्य (Excluding GST)	3.00	3000.00
4	14 T0150	जिला रायगढ़ के रायगढ़, घरघोड़ा, धरमजयगढ़, लैलूंगा एवं खरसिया के रेस्ट हाउस एवं सर्किट हाउस में आवश्यक विद्युतीकरण मरम्मत कार्य (Excluding GST)	4.00	4000.00
5	14 T0151	जिला रायगढ़ के हेड क्वार्टर के अंतर्गत आवासीय भवनों में मेन क्यूबिकल पैनल बोर्ड, कण्ट्रोल स्विच गिअर एवं अन्य विद्युतीकरण मरम्मत कार्य (Excluding GST)	3.00	3000.00
6	14 T0152	कोरबा, कटघोरा एवं भैसमा रेस्ट हॉउस के विद्युत उपकरणों का रखरखाव एवं संधारण कार्य (Excluding GST)	2.88	2880.00
7	14 T0153	उपसंभाग कोरबा के अंतर्गत गैर आवासीय भवनों में एयर कण्डीशनर एवं कूलर का मरम्मत कार्य (Excluding GST)	2.38	2380.00
8	14 T0154	सिविल कोर्ट पाली, कटघोरा,करतला में विद्युतीकरण मरम्मत कार्य (Excluding GST)	2.38	2380.00
9	14 T0155	जिला कोरबा के आवासीय भवनों में विद्युतीकरण मरम्मत कार्य (Excluding GST)	3.88	3880.00
10	14 T0156	जिला कोरबा के न्यायायिक आवासीय भवनों में विद्युतीकरण मरम्मत कार्य (Excluding GST)	3.88	3880.00
11	14 T0157	जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ के अंतर्गत विभिन्न प्रशासनिक कार्यालय भवनों में विद्युतीकरण मरम्मत कार्य (Excluding GST)	2.22	2220.00
12	14 T0158	जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ के अंतर्गत विभिन्न न्यायालयीन भवनों में विद्युतीकरण मरम्मत कार्य (Excluding GST)	2.22	2220.00

नोटः-निविदा संबंधी शर्ते विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में भी किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (वि/या)
संभाग रायगढ़

जी- 262703407/3

दल्लीराजहरा में गणेशोत्सव की धूम : नया बाजार में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

प्रसाद में बंटा गरमा-गरम मसाला डोसा

बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले की लौह नगरी दल्ली राजहरा के नया बाजार क्षेत्र इन दिनों भक्ति, उल्लास और अनुपम धार्मिक आस्था के रंग में रंगा हुआ है। गणेशोत्सव के पावन पर्व पर नया बाजार, मेन रोड स्थित 'श्री साईं बाबा गणेश उत्सव समिति' द्वारा इस वर्ष भी एक अलौकिक एवं भव्य आयोजन किया गया। विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश जी के दर्शनों के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद के रूप में हजारों की संख्या में गरमा-गरम मसाला डोसा का वितरण किया गया, जिसे ग्रहण करने के लिए तड़के से ही भक्तों की भारी भीड़ और लंबी कतारें लगी रहीं।

भगवान श्री गणेश जी के प्रति नगरवासियों की अटूट निष्ठा और आस्था का ही परिणाम है कि नया बाजार का यह गणेश पंडाल हर वर्ष श्रद्धालुओं के आकर्षण का मुख्य केंद्र बन जाता है। इस बार भी जैसे ही सुबह गणपति बाप्पा की आरती संपन्न हुई, पूरा माहौल 'जय गणेश', 'गणपति बाप्पा मोरया' के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। समिति के सदस्यों ने कतारबद्ध खड़े श्रद्धालुओं को अत्यंत आदर, श्रद्धा और व्यवस्थित तरीके से महाप्रसाद का वितरण किया। दूर-दराज़ से आए भक्तों ने बाप्पा के अलौकिक स्वरूप का दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और इस अनोखे प्रसादम का आनंद लिया।

समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि पिछले चार वर्षों से महाप्रसाद के रूप में मसाला डोसा वितरित करने की यह अनूठी परंपरा निरंतर जारी है। नगर में यह आयोजन अपनी विशिष्टता के कारण विशेष रूप से लोकप्रिय हो चुका है। श्रद्धालुओं के बढ़ते अपार उत्साह और अपार श्रद्धाभाव को देखते हुए समिति हर वर्ष इस आयोजन के स्वरूप को और अधिक विशाल तथा भव्य रूप प्रदान कर रही है।

इस वृहद आयोजन को सुचारू एवं अनुशासित रूप से संपन्न कराने में नया बाजार के स्थानीय व्यापारियों, निष्ठवान सेवादारों तथा समस्त नगरवासियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम के सफल समापन पर श्री साईं बाबा गणेश उत्सव समिति ने प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले सभी नागरिकों और धर्मप्रेमी जनता का हृदय से आभार प्रकट किया है।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में जापान पहुंची टीम इंडिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम का अगला मिशन अब एशियन गेम्स 2026 है। भारत की टीम एशियन गेम्स में सीधे क्वार्टर फाइनल में खेलेगी, हालांकि अभी ये तय नहीं है कि टीम का मुकाबला किससे होगा। इस बीच इससे पहले भारत और जापान की टीमें टी20 इंटरनेशनल में आमने सामने होने जा रही हैं। ये पहला मौका होगा जब भारतीय टीम जापानी टीम से क्रिकेट मैच खेलेगी। ये मैच कब होगा और भारतीय समय अनुसार कितने बजे से शुरू होगा, ये अभी से जान लीजिए। मैच सुबह होगा, इसलिए इसका वक्त नोट करना बहुत जरूरी है, नहीं तो इसके छूटने की संभावना है।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टीम इंडिया जापाना पहुंच चुकी है। जहां उसे एशियन गेम्स में खेलना है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम तो फाइनल में पहुंच चुकी है और उसका मेडल पक्का हो गया है। भारत ने अगर श्रीलंका को हराया तो गोल्ड मेडल मिल जाएगा और अगर हार मिली तो भी सिल्वर मेडल मिलेगा। अब भारत की पुरुष टीम की बारी है। भारत का पहला मैच एशियन गेम्स में किससे होगा, ये अभी साफ नहीं है, क्योंकि क्वार्टर फाइनल की टीमों का फैसला होना अभी बाकी है। पुरुष क्रिकेट का पहला मैच 24 सितंबर को खेला जाएगा। हालांकि टीम इंडिया 28 सितंबर को मैदान में उतरेगी।

इस बीच भारत और जापान के बीच मुकाबला खेला जाना है। ये मैच अचानक तय हुआ है। इसलिए इसको लेकर जबरदस्त रोमांच है। ये मुकाबला 22 सितंबर यानी मंगलवार को खेला जाना है। इस मैच के वक्त की बात की जाए तो ये सुबह साढ़े नौ बजे से शुरू होगा। इससे आधे घंटे पहले यानी नौ बजे टॉस होगा। जापान की टीम पिछले कुछ वक्त से अच्छा क्रिकेट खेल रही है, लेकिन वो भारत को टक्कर दे पाएगी, इसकी संभावना काफी कम है। लेकिन मुकाबला काफी रोचक जरूर हो सकता है। करीब एक बजे तक मैच चलने की संभावना है।

भारतीय टीम का पूरा स्क्वाड: संजू सैमसन (विकेट कीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, श्रेयस अय्यर (कप्तान), शिवम दुबे, ईशान किशन, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, यश ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वाशिंगटन सुंदर, विप्रज निगम, वैभव सूर्यवंशी।

जापान की क्रिकेट टीम में बिहार के अभिषेक आनंद का जलवा, लेकिन भारत के खिलाफ नहीं खेलेंगे मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। 22 सितंबर को भारत और जापान के बीच होने वाले टी-20 मैच से पहले दो बिहारी क्रिकेटरों की काफी चर्चा हो रही है। एक तो मशहूर युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी हैं और दूसरे हैं अभिषेक आनंद, जो बिहार के रोहतास जिले के रहने वाले हैं और जापान की क्रिकेट टीम के लिए खेलते हैं। हालांकि अभिषेक को भारत के खिलाफ होने वाले इस मैच के लिए जापानी टीम में शामिल नहीं किया गया है, फिर भी उनके इस अनोखे क्रिकेट सफर को लेकर लोग काफी बात कर रहे हैं। उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

नौकरी करने के लिए टोक्यो गए अभिषेक आनंद

अभिषेक आनंद का क्रिकेट का प्यार जापान जाने के बाद शुरू नहीं हुआ था। IIT कानपुर से पढ़ाई करने के दौरान भी वे लगातार क्रिकेट खेलते थे और वहां की कॉलेज टीम के कप्तान भी रहे। पढ़ाई पूरी करने के बाद जब वे नौकरी करने टोक्यो गए, तब भी उन्होंने क्रिकेट खेलना जारी रखा। नौकरी के साथ-साथ वे वहां लोकल क्लबों के लिए खेलते रहे और अपने शानदार खेल के दम पर जापान की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम में जगह बना ली। हाल ही में जब एक वीडियो में उनसे बिहारी होने और जापान के लिए खेलने पर सवाल पूछा गया, तो उनका यह मजाकिया जवाब खूब चर्चा में आ गया कि बिहारी कहां नहीं हैं भाई!

इंटरनेशनल क्रिकेट में कैसा है अभिषेक आनंद का रिकॉर्ड?

28 साल के अभिषेक आनंद ने 9 मई 2025 को कुक आइलैंड्स के खिलाफ खेलते हुए जापान की तरफ से अपने इंटरनेशनल टी20 करियर की शुरुआत की थी।

इसके बाद वे लगातार जापानी टीम का हिस्सा बने रहे। उन्होंने अब तक कुल 18 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं, जिनमें उनके नाम 275 रन दर्ज हैं। इस दौरान उनका सबसे बेहतरीन स्कोर 55 रन रहा है, जबकि गेंदबाजी करते हुए उन्होंने 1 विकेट भी लिया है।

भारत और जापान के बीच पहली बार कोई इंटरनेशनल मैच होने जा रहा है। यह मैच दोनों देशों के बीच 75 साल पुराने दोस्ताना संबंधों का जश्न मनाने के लिए रखा गया है। इसके अलावा, यह मुकाबला आने वाले एशियन गेम्स से पहले दोनों टीमों के लिए तैयारी करने का एक अच्छा मौका भी है। भारत बनाम जापान मैच को आप कब और कहां लाइव देख सकते हैं यहां उसकी जानकारी दी गई है।

सुचिका तरियाल ने 36 साल की उम्र में रचा इतिहास MMA में दिलाया भारत को पहला मेडल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की सुचिका तरियाल ने एशियन गेम्स की मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (MMA) स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। यह पहली बार है जब एशियन गेम्स में MMA खेल को शामिल किया गया और भारत को इसमें अपना पहला मेडल मिला। सेमीफाइनल मैच में सुचिका को सिंगापुर की खिलाड़ी से 2-0 से हार का सामना करना पड़ा। वे फाइनल में तो नहीं पहुंच सकीं लेकिन उन्होंने देश के लिए ब्रॉन्ज मेडल पक्का कर लिया।

सेमीफाइनल में हार के कारण सुचिका का गोल्ड मेडल जीतने का सपना भले ही अधूरा रह गया, लेकिन फिर भी उन्होंने एशियन गेम्स के इतिहास में भारत को मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (MMA) का पहला ब्रॉन्ज मेडल दिला दिया। उनके इस मेडल के साथ ही 4 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज मेडल जीता है। एशियन गेम्स में फिलहाल दूसरे दिन का खेल जारी है।

भारत के लिए मेडल जीतने के बाद भी सुचिका तरियाल इस नतीजे से खुश नहीं थीं। उनका मानना था कि सेमीफाइनल मैच में फैसला उनके खिलाफ गलत तरीके से सुनाया गया। असल में, तय समय तक मुकाबला बराबरी पर रहने के बाद मैच ओवरटाइम में गया, जहां सिंगापुर की खिलाड़ी को विजेता घोषित कर दिया गया। सुचिका के कोच और भारतीय टीम ने इस फैसले का विरोध करते हुए आधिकारिक शिकायत भी दर्ज कराई, लेकिन उनका फैसला नहीं बदला गया।

मैच बराबरी पर रहने के बाद सिंगापुर की खिलाड़ी को विजेता इसलिए घोषित किया गया क्योंकि उनका वजन सुचिका से 700 ग्राम कम था। हालांकि दोनों ही खिलाड़ी 60 किलोग्राम से कम वजन वाली कैटेगरी में खेल रही थीं, लेकिन एशियन गेम्स के नियमों के मुताबिक अगर कोई मैच टाई हो जाता है, तो कम वजन वाली खिलाड़ी को ही विजेता माना जाता है। इसी वजह से यहां सुचिका को हार का सामना करना पड़ा।

सुचिका ने 20 सितंबर को ही क्वार्टर फाइनल मैच जीतकर भारत के लिए मेडल पक्का कर लिया था।

साउथ अफ्रीका सीरीज से पहले बदली ऑस्ट्रेलिया की टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की ODI सीरीज शुरू होने से पहले ऑस्ट्रेलिया की टीम में बदलाव किया गया है। तेज गेंदबाज और ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स को टीम में शामिल किया गया है। एडवर्ड्स के पास इस सीरीज के दौरान ODI इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने का मौका होगा। वह फिलहाल भारत में ऑस्ट्रेलिया ए टीम के साथ थे, लेकिन अब उन्हें साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के लिए डरबन रवाना कर दिया गया है।

एडवर्ड्स पुडुचेरी में भारत ए के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ए के चार दिवसीय मुकाबले की तैयारी कर रहे थे। अब वह गुरुवार को खेले जाने वाले सीरीज के पहले ODI से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ जुड़ेंगे। टीम में उनकी एंट्री ऐसे समय हुई है, जब ऑस्ट्रेलिया को तेज गेंदबाजी विभाग में एक झटका लगा है।

तेज गेंदबाज बिली स्टेनलेक साइड स्ट्रेन के कारण सीरीज से बाहर हो गए हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे ODI के दौरान स्टेनलेक को पांचवें ओवर के बीच में मैदान से बाहर जाना पड़ा था। वह अब ऑस्ट्रेलिया लौटेंगे, जहां उनकी चोट की स्कैन के जरिए जांच की जाएगी।

वहीं, बाएं हाथ के तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन को भी साउथ अफ्रीका सीरीज के लिए टीम से रिलीज कर दिया गया है। हालांकि, जॉनसन चोटिल नहीं हैं, लेकिन टीम मैनेजमेंट ने उन्हें इस सीरीज के लिए जरूरी नहीं माना है। वह अगले महीने पुडुचेरी में ऑस्ट्रेलिया ए के लिए तीन 50 ओवर के मुकाबले खेलेंगे। जॉनसन ने हाल ही में करीब 18 महीने बाद ODI टीम में वापसी की थी। जिम्बाब्वे के खिलाफ रविवार को हुए रोमांचक मुकाबले में उन्होंने दो विकेट लेने के अलावा आखिरी विकेट के लिए 27 रन की अहम साझेदारी में भी योगदान दिया था।

24 सितंबर से सीरीज का आगाज

साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के लिए पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क भी डरबन में टीम से जुड़ेंगे। इसके अलावा नाथन एलिस, जोश हेजलवुड और जेवियर बार्टलेट ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजी विकल्प होंगे। दोनों टीमों के बीच पहला ODI 24 सितंबर को डरबन में खेला जाएगा।

व्यापार

हफ्ते के पहले दिन सेंसेक्स 564 अंक उछला, निफ्टी 23400 के पार बंद

मुंबई (एजेंसी)। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार में शानदार तेजी देखने को मिली। सोमवार को सेंसेक्स ने 564 अंकों की छलांग लगाई, जबकि निफ्टी भी 23,400 के स्तर को पार कर बंद हुआ। फार्मा और रियल्टी शेयरों में जोरदार खरीदारी ने बाजार को सहारा दिया। हालांकि, बाजार की चौड़ाई कमजोर रही और कई शेयरों में गिरावट देखने को मिली।

क्लोजिंग ऑक्शन सेशन के बाद सेंसेक्स 564 अंक या 0.76% की तेजी के साथ 74,859 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 68 अंक यानी 0.29% चढ़कर 23,414 के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि, पूरे बाजार में तेजी एक जैसी नहीं रही। कुल 1,995 शेयर बढ़त में रहे, जबकि 2,111 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।

सेक्टोरल इंडेक्स में मिला-जुला लेकिन काफी हद तक खरीदारी का रुख देखने को मिला। निफ्टी फार्मा 1.27% की मजबूती के साथ बंद हुआ और सेक्टोरल गेनर्स में टॉप पर रहा। निफ्टी रियल्टी (1.22%) और निफ्टी FMGC (1.19%) में भी अच्छी बढ़त देखने को मिली। इसके अलावा, निफ्टी बैंक (+0.24%), निफ्टी पीएसई (+0.13%), निफ्टी एनर्जी (+0.09%), निफ्टी आईटी (+0.03%) और निफ्टी सर्विसेज (+0.05%) भी हरे निशान में रहे। वहीं, दूसरी तरफ, मेटल्स सेक्टर (0.62%) निफ्टी इंफ्रा (-0.14%), निफ्टी एमएनसी (-0.30%) और निफ्टी पीएसयू बैंक (-0.05%) में गिरावट दर्ज की गई।

बढ़त वाले शेयरः इटनल 2.77% की तेजी के साथ सबसे टॉप पर रहा। एचसीएल टेक (2.54%), आईटीसी (1.79%), सन फार्मा (1.72%), रिलायंस (1.71%), मैक्स हेल्थकेयर

(1.65%) और टाइटन (1.59%) में तगड़ी लिवाली दिखी। इसके साथ ही एचडीएफसी लाइफ, एसबीआई लाइफ, टेक महिंद्रा, बीईएल और ओएनजीसी के शेयर भी बढ़त के साथ बंद हुए।

गिरावट वाले शेयरः भारती एयरटेल (-3.33%) और अदाणी पोर्ट्स (-2.02%) में सबसे ज्यादा बिकवाली देखी गई। इसके अलावा बजाज फाइनेंस (-1.83%), पावरग्रिड (-1.55%), अदाणी एंटरप्राइजेज (-1.49%), विप्रो (-1.37%) और इंफोसिस (-1.23%) भी लाल निशान में फिसल गए।

मिडकैप-स्मॉलकैप में गिरावट

बड़े शेयरों में तेजी के बावजूद मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स दबाव में रहे। मिडकैप 0.29% और स्मॉलकैप 0.15% नीचे बंद हुए। वहीं, इंडिया VIX में 1.14% की गिरावट आई। इसका मतलब है कि बाजार में उतार-चढ़ाव का स्तर पिछले कारोबारी सत्र के मुकाबले थोड़ा कम रहा।

मुंबई के BKC की तर्ज पर डेवलप होगा न्यू नागपुर

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि नागपुर और छत्रपति संभाजीनगर, राज्य में निवेश के अगले प्रमुख केंद्र होंगे। मुख्यमंत्री ने उद्योगों से इन क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने की अपील की। उन्होंने राज्य में बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए सरकार की कोशिशों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार महाराष्ट्र में एक नया एकीकृत औद्योगिक परिवेश विकसित करने की कोशिश कर रही है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर में अवाडा ग्रुप द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में उद्योगपतियों के साथ बातचीत के दौरान कहा, "अगला बड़ा मौका छत्रपति संभाजीनगर (मराठवाड़ा) और नागपुर (विदर्भ क्षेत्र) में है। अगर आप वहां निवेश नहीं कर रहे हैं, तो आप एक अवसर गंवा रहे हैं। जो अगले 10 साल में यहां निवेश नहीं करेगा, उसे पछतावा होगा।"

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार समृद्धि एक्सप्रेसवे के पास 'न्यू नागपुर' डेवलप कर रही है। उन्होंने कहा, "न्यू नागपुर को करीब 2,000 एकड़ में मुंबई के BKC (बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स) की तरह केंद्रीय कारोबारी जिले के रूप में विकसित किया जा रहा है। न्यू नागपुर में अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा होगा। उदाहरण के लिए, जिस तरह 'गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी' (गिफ्ट सिटी) में सभी उपयोगिताएं सुरंगों के जरिए संचालित होती हैं, उसी तरह का बुनियादी ढांचा न्यू नागपुर में तैयार किया जा रहा है।"

सोना और चांदी की कीमतों में गिरावट कच्चे तेल का भाव भी टूटा

मुंबई (एजेंसी)। पिछले हफ्ते तेजी दर्ज करने बाद इस हफ्ते के पहले कारोबारी सत्र में सोना और चांदी, दोनों कीमती धातुओं के भाव में गिरावट दर्ज की जा रही है।

हाजिर बाजार (Spot Market) में मांग घटने के कारण सोमवार को वायदा कारोबार में सोने का भाव 773 रुपये की गिरावट के साथ 1,53,608 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया।

वैश्विक बाजार में भी गिरा सोने का भाव

MCX में अक्टूबर की डिलीवरी वाले सोने का भाव 773 रुपये या 0.5 प्रतिशत टूटकर 1,53,608 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। इसमें 998 लॉट के लिए कारोबार हुआ। एक्सपर्ट्स ने सोने की कीमतों में आई इस गिरावट की मुख्य वजह हाजिर मांग में आई कमजोरी को बताया है। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में सोने का वायदा भाव 0.53 प्रतिशत घटकर 4,355.59 डॉलर प्रति औंस पर रहा।

चांदी की कीमतों में लगभग 1 प्रतिशत की गिरावट

वायदा कारोबार में सोमवार को कारोबारियों द्वारा सौदों का आकार घटाने से चांदी की कीमत भी 2024 रुपये की गिरावट के साथ 2,39,579 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। MCX पर दिसंबर की डिलीवरी वाले चांदी का भाव 2024 रुपये या 0.84 प्रतिशत टूटकर 2,39,579 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया। इसमें 2096 लॉट के लिए कारोबार हुआ।

चांदी में बिकवाली की वजह से कीमतों पर पड़ा दबाव

एक्सपर्ट्स ने कहा कि बाजार प्रतिभागियों द्वारा की गई बिकवाली के कारण मुख्य रूप से चांदी की कीमतों पर दबाव देखा गया। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में चांदी 0.20 प्रतिशत की गिरावट के साथ 66.12 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी।

कच्चे तेल के भाव में मामूली गिरावट

कमजोर वैश्विक रुख के बीच सोमवार को वायदा कारोबार में कच्चे तेल की कीमत 138 रुपये की गिरावट के साथ 9,085 रुपये प्रति बैरल रह गई। MCX पर अक्टूबर की डिलीवरी वाले कच्चे तेल का वायदा भाव 138 रुपये या 1.5 प्रतिशत फिसलकर 9,085 रुपये प्रति बैरल पर आ गया। इसमें 7063 लॉट के लिए कारोबार हुआ।

100 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आया WTI Crude का दाम

जानकारों ने कहा कि हाजिर बाजार में मांग कमजोर रहने के बीच कारोबारियों द्वारा सौदे घटाने से कीमतों में ये गिरावट आई। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (WTI) कच्चा तेल 1.69 प्रतिशत की गिरावट के साथ 98.60 डॉलर प्रति बैरल पर था, जबकि ब्रेंट क्रूड 1.59 प्रतिशत घटकर 102.22 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

भारत को बड़ी ट्रेड डील की सौगात, 20 अक्टूबर से लागू होगा न्यूजीलैंड संग FTA; कार, कालीन और ऑटो पार्ट्स होंगे सस्ते!

नई दिल्ली (एजेंसी)। फेस्टिव सीजन में भारतीय अर्थव्यवस्था और एक्सपोटर्स के लिए एक बड़ी और ऐतिहासिक खुशखबरी आई है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को घोषणा की कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) 20 अक्टूबर 2026 यानी विजयादशमी (दशहरा) के शुभ अवसर से लागू होने जा रहा है। नई दिल्ली में वर्चुअल प्रेस वार्ता के दौरान न्यूजीलैंड के व्यापार मंत्री टॉड मैक्ले के साथ इस ऐतिहासिक समझौते की अंतिम तारीख पर मुहर लगाई गई।

इस मुक्त व्यापार समझौते की सबसे खास बात यह है कि न्यूजीलैंड में भारत से भेजे जाने वाले 100 फीसदी सामान पर अब कोई भी कस्टम ड्यूटी नहीं लगेगा।पहले न्यूजीलैंड में भारतीय वस्तुओं जैसे कार, ऑटो कंपोनेंट्स, कालीन, सिरेमिक और टेक्सटाइल पर 10 फीसदी तक का भारी टैरिफ लगता था। अब 20 अक्टूबर से यह टैक्स पूरी तरह खत्म हो जाएगा, जिससे भारतीय कारें, ऑटो पार्ट्स और पारंपरिक उद्योग न्यूजीलैंड के बाजारों में बेहद सस्ते हो जाएंगे।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि इस ऐतिहासिक डील का मकसद अगले 4 से 5 वर्षों में दोनों देशों के बीच वस्तुओं और सेवाओं के कुल व्यापार को बढ़ाकर लगभग 4 बिलियम डॉलर यानी ₹35,000 करोड़ तक पहुंचाना है। उल्लेखनीय है कि जुलाई 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यूजीलैंड का ऐतिहासिक दौरा किया था, जो पिछले चार दशकों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा थी। इस दौरे ने वार्ता को अंतिम रूप देने और दोनों देशों के रिश्तों में मजबूत राजनीतिक गति प्रदान करने का काम किया।

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री ने भी जताया उत्साह

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने इस समझौते का स्वागत करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में भारत के साथ फ्री ट्रेड डील करने का जो वादा किया था, उसे पूरा कर दिया गया है। आंकड़ों के मुताबिक, भारत और न्यूजीलैंड के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2023-24 में 873 मिलियन डॉलर से बढ़कर 2024-25 में 1.3 बिलियन डॉलर हो गया है, जिसमें 49% की शानदार वृद्धि दर्ज की गई है। दशहरा से लागू होने जा रहा यह समझौता न केवल भारतीय कपड़ा, फार्मा और आईटी सेक्टर को पंख लगाएगा, बल्कि देश में लाखों नए रोजगार के अवसर भी पैदा करेगा।

सरकार ने लागू की गोबरधन योजना

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने 23,731 करोड़ रुपये की गोबरधन योजना को लागू कर दिया है। इस योजना के तहत तहत कंप्रेस्ड बायोगैस (CBG) उत्पादकों को उनकी बिक्री योग्य गैस की 100 प्रतिशत तक सुनिश्चित खरीद, कम से कम 10 साल के लिए प्रशासित मूल्य और पूंजीगत सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के 15 सितंबर को जारी दिशानिर्देशों के अनुसार, ये योजना वित्त वर्ष 2026-27 से 2035-36 तक लागू रहेगी।

गोबरधन योजना का उद्देश्य देश में कंप्रेस्ड बायोगैस उत्पादन को बढ़ावा देना, परियोजनाओं के लिए ज्यादा अनुकूल बाजार तैयार करना और निजी निवेश को प्रोत्साहित करना है। गोबरधन यानी 'गैल्वानाइजिंग ऑर्गेनिक बायो-एग्रो रिसोर्सेज धन' सरकार का ऐसा कार्यक्रम है, जिसके तहत पशुओं के गोबर, कृषि अवशेष, खाद्य अपशिष्ट और अन्य जैविक कचरे से बायोगैस, कंप्रेस्ड बायोगैस और जैविक खाद तैयार की जाती है।

जल के लिए सहयोग : सामूहिक प्रयास का भारत का आह्वान

- सी.आर. पाटिल

जल हमें उन तरीकों से जोड़ता है, जिनमें बहुत कम अन्य संसाधन जोड़ पाते हैं। नदियाँ प्रशासनिक सीमाओं को नहीं पहचानतीं। भूजल के स्रोत कई समुदायों की जरूरतें पूरी कर सकते हैं। आज होने वाली बारिश कल पीने के पानी, सिंचाई, भूजल या नदी के प्रवाह का आधार बनती है।

इससे एक सरल लेकिन महत्वपूर्ण सिद्धांत सामने आता है: जल एक साझा संसाधन है और आने वाली पीढ़ियों के लिए इसे सुरक्षित रखना हमारी साझा जिम्मेदारी है। इसी भावना के साथ भारत 22 से 26 सितंबर 2026 तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 9वें भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह में वैश्विक जल समुदाय का स्वागत करेगा। इसका आयोजन जल शक्ति मंत्रालय कर रहा है।

इस वर्ष की थीम है- "जलवायु के प्रति लचीला जल प्रबंधन"। जलवायु परिवर्तन के कारण जल चक्र लगातार अनिश्चित होता जा रहा है। ऐसे समय में यह विषय विशेष रूप से प्रासंगिक है।

भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह केवल एक सम्मेलन नहीं है। यह ऐसा मंच है, जहाँ सरकारें, विशेषज्ञ, उद्योग जगत, समुदाय और अंतरराष्ट्रीय साझेदार अपने अनुभव, तकनीक और विचार साझा कर सकते हैं तथा भविष्य के लिए साझेदारियाँ बना सकते हैं।

इसका उद्देश्य जल क्षेत्र से जुड़े हालिया विभागीय शिखर सम्मेलन की भावना और उससे मिली सीख को भी आगे बढ़ाना है। इस सम्मेलन का विचार माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने रखा था। इसमें भारत के विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने एक साथ आकर जल क्षेत्र की चुनौतियों पर चर्चा की, अपने अनुभव साझा किए और आगे की राह तय करने पर विचार-विमर्श किया।

भारत इस संवाद में बड़े स्तर पर जल और स्वच्छता से जुड़ी योजनाओं को लागू करने का व्यापक अनुभव लेकर आया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण भारत में 15.9 करोड़ से अधिक घरों तक नल से पानी पहुँचाया गया है। वर्ष 2019 में ऐसे घरों की संख्या 3.23 करोड़ थी।

जल जीवन मिशन 2.0 का मुख्य उद्देश्य जलापूर्ति के बुनियादी ढाँचे को भरोसेमंद सार्वजनिक सेवा व्यवस्था में बदलना है। इसके तहत ग्राम पंचायतों और उनकी ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों (वीडब्ल्यूएससी) को ग्रामीण क्षेत्रों में जलापूर्ति सेवाओं के संचालन, रखरखाव और निगरानी के लिए सशक्त बनाया जा रहा है। इन्हें स्थानीय स्तर पर छोटी जल सेवा इकाइयों के रूप में विकसित किया जा रहा है।

'जल सेवा आकलन' ग्राम पंचायत के नेतृत्व में की जाने वाली एक डिजिटल पहल है। इसके तहत हर घर जल वाले गाँवों में पीने के पानी की नियमितता, पर्याप्तता, गुणवत्ता और स्थिरता का आकलन किया जाता है। यह पहल बुनियादी ढाँचा तैयार करने से आगे बढ़कर लगातार बेहतर जल सेवा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव है। इसमें जनभागीदारी के माध्यम से ग्राम पंचायतों और गाँव की संस्थाओं को आकलन की प्रक्रिया के केंद्र में रखा गया है।

नमामि गंगे कार्यक्रम के माध्यम से भारत ने गंगा और उसकी सहायक नदियों को पुनर्जीवित करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया है। इसमें सीवेज से जुड़े बुनियादी ढाँचे और प्रदूषण कम करने के प्रयासों के साथ-साथ नदी के पर्यावरण को बहाल करने, जैव विविधता के संरक्षण और लोगों की भागीदारी पर भी ध्यान दिया गया है।

इस कार्यक्रम के तहत 527 से अधिक परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिनमें से 367 पूरी हो चुकी हैं। इनके माध्यम से प्रतिदिन 4,263 मिलियन लीटर सीवेज के शोधन की क्षमता तैयार की गई है।

स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण से भी एक महत्वपूर्ण सीख मिलती है। ग्रामीण क्षेत्रों में 12 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण किया गया है। इससे केवल बुनियादी सुविधाओं का विस्तार ही नहीं हुआ, बल्कि हमारी माताओं और बहनों को सम्मान मिला है और लोगों के व्यवहार में बदलाव सुनिश्चित करने में भी मदद मिली है।

इस मिशन के दूसरे चरण में ठोस और तरल कचरे के प्रबंधन पर भी ध्यान दिया गया है। इसके तहत घरों और सामुदायिक स्तर पर इस्तेमाल के बाद निकलने वाले पानी यानी ग्रे-वॉटर के प्रबंधन के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं।

इन सभी योजनाओं में एक बात समान है- 'जनभागीदारी'। इसके पीछे यह विश्वास है कि सरकारी नीतियाँ तब सबसे अधिक प्रभावी होती हैं, जब लोग केवल योजनाओं के लाभार्थी न रहकर उनके सक्रिय भागीदार बनते हैं।

जल संरक्षण के हमारे प्रयासों में भी यही दृष्टिकोण अपनाया जा रहा है। 'जल संचय जनभागीदारी' और 'कैच द रेन' (वर्षा जल संचयन)

स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण से भी एक महत्वपूर्ण सीख मिलती है। ग्रामीण क्षेत्रों में 12 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण किया गया है। इससे केवल बुनियादी सुविधाओं का विस्तार ही नहीं हुआ, बल्कि हमारी माताओं और बहनों को सम्मान मिला है और लोगों के व्यवहार में बदलाव सुनिश्चित करने में भी मदद मिली है।

जैसे अभियानों के माध्यम से हमारा उद्देश्य जल संरक्षण को केवल सरकारी योजना तक सीमित न रखकर लोगों की आदत और जनआंदोलन बनाना है।

जलवायु के अनुकूल जल प्रबंधन तभी सफल हो सकता है, जब स्थानीय लोग इसे समझें, इसे अपनी जिम्मेदारी मानें और इसे लंबे समय तक बनाए रखें। हाल ही में हमने 'कैच द रेन' अभियान का गीत भी जारी किया है।

भारत के अनुभव से यह भी सीख मिलती है कि जल संबंधी चुनौतियों का कोई एक समाधान नहीं हो सकता। हिमालयी राज्य की जरूरतें किसी सूखे क्षेत्र से अलग होती हैं। इसी तरह, तेजी से बढ़ते शहर की चुनौतियाँ ग्रामीण समुदाय की चुनौतियों से अलग होती हैं।

हमारे राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में विविध परिस्थितियों के कारण जल प्रबंधन का व्यापक अनुभव उपलब्ध है। इसमें भूजल का स्तर बढ़ाना, सिंचाई में पानी का बेहतर इस्तेमाल, पेयजल व्यवस्था का सामुदायिक प्रबंधन और इस्तेमाल किए जा चुके पानी का दोबारा उपयोग जैसे विषय शामिल हैं।

जब इन अनुभवों को साझा किया जाता है, तो स्थानीय स्तर पर सफल रहे समाधान उन क्षेत्रों तक भी पहुँच सकते हैं, जहाँ उनकी शुरुआत नहीं हुई थी। यही सिद्धांत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी लागू होता है। जल सुरक्षा के सभी सवालों के जवाब किसी एक देश के पास नहीं हैं। हर देश के पास कुछ ऐसा अनुभव है, जिससे दूसरे देश सीख सकते हैं, और हर देश दूसरों से कुछ सीख सकता है।

इसलिए भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह का उद्देश्य किसी पर समाधान थोपना नहीं, बल्कि साझेदारी को बढ़ावा देना है। इसमें जल प्रबंधन, तकनीक, वित्तपोषण और जलवायु संबंधी जोखिमों से निपटने के वैश्विक अनुभवों के साथ भारत के अपने अनुभवों पर भी चर्चा होगी।

जल का प्रबंधन अलग-अलग करके नहीं किया जा सकता। जल सुरक्षा का सीधा संबंध खाद्य सुरक्षा, जनस्वास्थ्य, आजीविका, पर्यावरण सुरक्षा और सतत विकास से है।

इसीलिए भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह में नदी घाटियों और भूजल स्रोतों के प्रबंधन, इस्तेमाल किए जा चुके पानी के पुनः उपयोग, पानी के कुशल इस्तेमाल, मौसम एवं जल संबंधी पूर्वानुमान, समय रहते चेतावनी देने वाली प्रणालियों और नदियों में पर्यावरण के लिए आवश्यक जल प्रवाह जैसे विषयों पर चर्चा होगी।

तकनीक इस बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बेहतर आँकड़ों, वैज्ञानिक मॉडलों और डिजिटल प्रणालियों की मदद से हम समझ सकेंगे कि पानी की उपलब्धता में किस तरह बदलाव हो रहा है, संभावित खतरों का पहले से अनुमान लगा सकेंगे और पानी का अधिक कुशलता से इस्तेमाल कर सकेंगे।

लेकिन तकनीक का सबसे अधिक लाभ तभी मिलता है, जब वह सरकारों, स्थानीय संस्थाओं और समुदायों को बेहतर निर्णय लेने में मदद करे। यही वजह है कि इस क्षेत्र में काम करने वाले लोगों, नए उद्यमों और युवाओं की भागीदारी विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

जल जीवन मिशन में किए जा रहे संस्थागत सुधारों के तहत 'सुजलम भारत' डिजिटल सार्वजनिक ढाँचे का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसका उद्देश्य आँकड़ों और तकनीक की मदद से बेहतर योजना बनाना, जल स्रोतों को टिकाऊ बनाए रखना, कामकाज की निगरानी करना और नागरिकों की जरूरतों के अनुरूप शासन व्यवस्था को बेहतर बनाना है।

बुनियादी ढाँचा तैयार करने से आगे बढ़कर भरोसेमंद जल सेवाएँ सुनिश्चित करने का यह बदलाव भारत की ऐसी जल व्यवस्था बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो चुनौतियों का सामना कर सके, जवाबदेह हो और भविष्य की जरूरतों के लिए तैयार हो।

चुनौतियों के बढ़ते स्तर के साथ जल क्षेत्र में वित्तपोषण के तरीकों को भी बदलना होगा। सरकारी निवेश की भूमिका बुनियादी बनी रहेगी। लेकिन जलवायु के अनुकूल जल ढाँचे के निर्माण के लिए नए वित्तीय तरीकों, जिम्मेदार निजी भागीदारी और ऐसी साझेदारियों की भी जरूरत होगी, जो सार्वजनिक हित को केंद्र में रखते हुए संसाधन जुटा सकें।

इसी के साथ, स्वस्थ नदियाँ, आर्द्रभूमियाँ, भूजल स्रोत और प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र भी हमारे जल संबंधी बुनियादी ढाँचे का हिस्सा हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा का स्वरूप अधिक अनिश्चित हो रहा है। कहीं बहुत तेज बारिश हो रही है, कहीं लंबे समय तक सूखा पड़ रहा है, तो कहीं बाढ़ और भूजल पर दबाव जैसी समस्याएँ सामने आ रही हैं।

इन चुनौतियों का सामना करने के लिए जल स्रोतों को टिकाऊ बनाए रखना, बेहतर वैज्ञानिक जानकारी और पूर्वानुमान, परिस्थितियों के अनुसार ढलने वाला बुनियादी ढाँचा, मजबूत संस्थाएँ और जागरूक समुदाय जरूरी हैं। यही भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह का व्यापक उद्देश्य है। इसके माध्यम से नेतृत्व, विज्ञान, योजनाओं का क्रियान्वयन, तकनीक, वित्त और जनभागीदारी को एक साझा मंच पर लाया जाएगा।

22 से 26 सितंबर तक भारत मंडपम भारत के जल क्षेत्र के अनुभवों और दुनिया भर के जल संबंधी ज्ञान का केंद्र बनेगा। हम बड़े स्तर पर योजनाओं को लागू करने से मिले अपने अनुभव साझा करने के लिए तैयार हैं। साथ ही, हम दूसरों के अनुभवों को सुनने और उनसे सीखने के लिए भी उतने ही तत्पर हैं।

जलवायु परिवर्तन के कारण जल चक्र अधिक अनिश्चित हो सकता है, लेकिन हमारा जवाब अनिश्चित नहीं होना चाहिए। हमारा प्रयास सामूहिक, वैज्ञानिक, समावेशी और निरंतर होना चाहिए।

चाहे गाँव का तालाब हो, भूजल का स्रोत हो, नदी घाटी हो या बदलती हुई वैश्विक जलवायु- सबसे एक ही सीख मिलती है: जल हम सभी को जोड़ता है। जल के भविष्य को केवल सरकारें सुरक्षित नहीं कर सकतीं। न ही कोई एक संस्था या देश अकेले ऐसा कर सकता है।

जल हमारा साझा संसाधन है। जल सुरक्षा हमारी साझा जिम्मेदारी है। हम सभी को मिलकर आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी की एक-एक बूंद सुरक्षित करनी होगी और प्रधानमंत्री के विकसित भारत@2047 के संकल्प को साकार करने में अपना योगदान देना होगा। **(पीआईबी)**

(लेखक केंद्रीय जल शक्ति मंत्री हैं)

ग्राम नोरली में पहुंचा स्वच्छ पेयजल

दंतेवाड़ा (दैनंदिनी ब्यूरो)। सेवा सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 25 सेवा गतिविधियों में इसमें जल संरक्षण, जल स्रोत स्थायित्व तथा वर्षा जल भण्डारण को भी प्रमुखता दी गई है। इस क्रम में भारत सरकार की जल जीवन मिशन योजना का प्रमुख लक्ष्य सभी घरों तक कार्यशील घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध कराना है। इसी उद्देश्य पूर्ति हेतु जिले में भी प्रशासन द्वारा ''जल जीवन मिशन'' योजना को गांव के प्रत्येक घर के आगन तक पहुंचाने हेतु सम्पूर्ण निष्ठा से कार्यरत है। ''जल जीवन मिशन'' का सफल क्रियान्वयन विकासखंड गीदम के ग्राम पंचायत हिड़पाल के आश्रित ग्राम नोरली में भी सफलतापूर्वक किया गया है। आश्रित ग्राम नोरली कि बसाहट की बात की जाए तो यहां एक पारा और कुल घरो की संख्या 13 है। जिसमे से कुल 09 घर पहाड पर बसे हैं। यहां के मुख्य रहवासी जनजातीय लोगों की आजीविका का मुख्य स्रोत वनोत्पाद और खेती है।

यहां की प्रमुख समस्या पीने के पानी की रही थी। गांव में कोई स्थायी स्रोत नहीं था। ग्रामीण जंगल के स्थायी स्रोत चुंआ (कुंआ) से पानी लाते थे जिसका पानी जुलाई अगस्त में गंदला हो जाता था और मई, जून की भीषण गर्मी में सूख जाता था। इसके बाद ग्रामीणों को पहाड़ों पर स्थित दूसरे चुंआ या उबड़ खाबड़ रास्तों से दूर तक चलकर पानी लाने की मजबूरी हमेशा से रही थी। परन्तु अब स्थिति बदल चुकी है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल जीवन मिशन योजना अंतर्गत नोरली ग्राम में पाइप लाइन बिछाकर सोलर के माध्यम से जलापूर्ति निर्बाध रूप से किया गया है।

जल जीवन मिशन अंतर्गत सोलर से जलापूर्ति

इसी तथ्य और ग्राम नोरली के आए बदलाव के संदर्भ में यहां के ग्रामीण बुदरू राम लेकामी बताते है कि पहले हमारा जीवन ऐसा नहीं था। आज दुनिया आधुनिक तरक्की कर रही है लेकिन हम इस चुंआ का ठहरा हुआ पानी पीते और दैनिक उपयोग करते थे। परन्तु अब घर में ही साफ पानी मिलने से पत्नी और बच्चों के साथ पानी भरने घर से दूर नहीं जाना पड़ता।

जल स्रोतों, स्कूलों व सामुदायिक स्थलों में स्वच्छता पर जोर

दंतेवाड़ा। सेवा संकल्प अभियान के तहत के अंतर्गत जिले में स्वच्छता को जन आंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत दंतेवाड़ा के मार्गदर्शन में जिले के ग्रामीण क्षेत्रों, विद्यालयों एवं सामुदायिक स्थलों में स्वच्छता, जागरूकता एवं जनभागीदारी से संबंधित गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

इसी क्रम में 21 सितंबर को जल स्रोतों, विद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों एवं सामुदायिक परिसरों की स्वच्छता पर विशेष जोर दिया गया। अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों, शिक्षकों, ग्रामीणों एवं समुदाय के सदस्यों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखने के लिए प्रेरित किया गया।

विद्यालयों में स्वच्छता एवं जागरूकता गतिविधियां

जिले के विद्यालयों में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की सहभागिता से स्वच्छता संबंधी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। विद्यार्थियों को विद्यालय परिसर, पेयजल स्थल, शौचालय, हाथ धुलाई क्षेत्र एवं आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यालयों में स्वच्छता के साथ-साथ सुरक्षित पेयजल, व्यक्तिगत स्वच्छता एवं व्यवहार परिवर्तन से संबंधित संदेश भी दिए गए। विद्यार्थियों को अपने घर एवं समुदाय में भी स्वच्छता का संदेश पहुंचाने तथा जल स्रोतों एवं सार्वजनिक स्थलों पर कचरा नहीं फैलाने के लिए प्रेरित किया गया।

विद्यालयों में स्वच्छता को दैनिक व्यवहार से जोड़ते हुए विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

जल स्रोतों एवं सामुदायिक स्थलों की स्वच्छता

अभियान के अंतर्गत तालाबों, नदियों, मोहल्लों एवं अन्य जल स्रोतों की स्वच्छता से संबंधित गतिविधियों को बढ़ावा दिया गया। लोगों को जल स्रोतों के आसपास कचरा नहीं फैलाने, प्लास्टिक एवं अन्य अपशिष्ट का उचित निपटान करने तथा जल स्रोतों को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाए रखने के लिए जागरूक किया गया। स्थानीय समुदाय की सहभागिता से सार्वजनिक एवं सामुदायिक स्थलों की साफ-सफाई तथा श्रमदान गतिविधियों को भी प्रोत्साहित किया गया। लोगों को यह संदेश दिया गया कि सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। अभियान के दौरान सामुदायिक शौचालयों की साफ-सफाई एवं रखरखाव पर भी विशेष ध्यान दिया गया। लोगों को सामुदायिक शौचालयों के नियमित एवं सुरक्षित उपयोग के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही शौचालयों को साफ रखने और उनके आसपास स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया।

पीएम जन मन से बदली राम की जिंदगी

एमसीबी (दैनंदिनी ब्यूरो)। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में जनकल्याणकारी योजनाओं से आमजन के जीवन में आए बदलाव की कहानियां सामने आ रही हैं। इसी क्रम में ग्राम पंचायत बुंदेली के बैगापारा निवासी राम, जो बैगा जनजाति से आते हैं, के जीवन में प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाभियान (पीएम जन मन) के माध्यम से सकारात्मक बदलाव आया है। योजना के अंतर्गत पक्का आवास मिलने से उनके परिवार में खुशी का माहौल है और वर्षों से चली आ रही सुरक्षित घर की चिंता दूर हुई है।

कच्चे मकान की परेशानियों से मिली राहत :

राम बताते हैं कि पहले उनका परिवार कच्चे मकान में रहता था। मकान की मजबूती और सुरक्षा को लेकर हमेशा चिंता बनी रहती थी। विशेषकर बारिश के दिनों में घर की स्थिति खराब होने से परिवार की परेशानियां बढ़ जाती थीं। सीमित संसाधनों के कारण स्वयं पक्का मकान बनाना उनके लिए आसान नहीं था। ऐसे में पीएम जनमन योजना के माध्यम से मिला पक्का आवास उनके परिवार के लिए बड़ी राहत लेकर आया। अब परिवार के पास एक सुरक्षित और मजबूत छत है, जहां वे मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों की चिंता से मुक्त होकर रह पा रहे हैं।

पक्का घर बना सुरक्षित भविष्य की नई शुरुआत :

नया आवास राम और उनके परिवार के लिए केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि सुरक्षा, सम्मान और बेहतर भविष्य की नई शुरुआत है। पक्की छत मिलने से परिवार को मौसम संबंधी परेशानियों से राहत मिली है। साथ ही सुरक्षित आवास ने उनके मन में भविष्य को लेकर भरोसा और उम्मीद भी बढ़ाई है।

राम खुशी जाहिर करते हुए कहते हैं, "पहले कच्चे मकान में रहने के कारण बहुत परेशानी होती थी। अब पीएम जनमन योजना से पक्का मकान मिल गया है। इससे हमारा परिवार बहुत खुश है। सुरक्षित घर मिलने से हमारी बड़ी चिंता दूर हुई है। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को धन्यवाद देता हूं।"

पीएम जन मन से जनजातीय परिवारों तक पहुंच रही बुनियादी सुविधाएं :

प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) के माध्यम से विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (PVTG) के परिवारों तक आवास सहित विभिन्न बुनियादी सुविधाओं का लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

सेवा संकल्प अभियान : आंगन का मिलन कार्यक्रम को अधिक प्रभावी बनाने महिला मोर्चा की विशेष बैठक आयोजित

25 सितम्बर से 07 अक्टूबर तक जिलेभर में होंगे विविध कार्यक्रम

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा एवं समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा सेवा संकल्प अभियान 2026 चलाए जा रहे हैं, जो कि मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से शुरू होकर 17 अक्टूबर तक एक माह चलेगा। इसी तारतम्य में भाजपा के सेवा संकल्प अभियान के तहत आगामी 'आंगन का मिलन' कार्यक्रम को लेकर भाजपा जिला कार्यालय में सोमवार को जिला महिला मोर्चा की विशेष कामकाजी बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा तैयार करने के साथ ही घर-घर संपर्क अभियान और हितग्राहियों से संवाद को लेकर कार्ययोजना बनाई गई।

मालूम हो कि 25 सितम्बर से 07 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले आंगन का मिलन कार्यक्रम के तहत जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं का सम्मान करने के साथ बच्चों और पालकों के साथ उत्सव मनाया जाएगा। साथ ही महिला मोर्चा की कार्यकर्ता केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से

लाभान्वित हितग्राहियों से घर-घर संपर्क कर संवाद करेंगी तथा योजनाओं से उनके जीवन में आए बदलाव और सरकार की उपलब्धियों की जानकारी जनमानस तक पहुंचाएंगी।

बैठक को भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर ने संबोधित करते हुए कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा रखते हुए कहा कि सेवा संकल्प अभियान के सभी कार्यक्रमों को संगठनात्मक समन्वय के साथ प्रभावी ढंग से ू रा किया जाए। उन्होंने मंडल एवं बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने और प्रत्येक कार्यक्रम को जनसंपर्क से जोड़ने की बात कही। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल आयोजन करना नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और जनकल्याण की भावना को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना है। बैठक को संबोधित करते हुए महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री एवं गरियाबंद की प्रभारी सविता चंद्राकर ने आंगन मिलन कार्यक्रम को प्रभावी एवं व्यापक बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित हो और आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के साथ उत्सव का वातावरण बनाया जाए। उन्होंने महिला मोर्चा को संगठनात्मक रूप से और अधिक मजबूत करने तथा केंद्र सरकार की कार्ययोजना एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया।

भाजपा महामंत्री चंद्रशेखर साहू ने भी संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित राष्ट्र की परिकल्पना के साथ सेवा और समर्पण की भावना को आगे बढ़ाया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से इसी सेवा भाव के साथ अपने-अपने वार्ड, मोहल्ले और बूथ स्तर पर छोटे-छोटे कार्यक्रम आयोजित कर समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों से संवाद एवं सम्मान का कार्य करने का आह्वान किया। वहीं बैठक में महिला मोर्चा एवं संगठन के पदाधिकारियों ने आगामी कार्यक्रमों को लेकर आवश्यक सुझाव देते हुए आंगन मिलन कार्यक्रम को बूथ स्तर तक व्यापक जनसहभागिता के साथ सफल बनाने का संकल्प लिया।

भाजपा कोषाध्यक्ष अजय रोहरा ने 'कहानी बदलाव' कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि केंद्र की मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से आम लोगों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों को सामने लाया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से योजना के लाभार्थियों से संवाद कर उनकी अनुभव-कथाओं को समाज तक पहुंचाने का आह्वान किया।

तिल्दा-नेवरा नगर पालिका अध्यक्ष एवं सह-प्रभारी चंद्रकला वर्मा, सरिता वर्मा ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत प्रतिदिन विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास, पोषण और कुपोषण उन्मूलन की दिशा में कार्य किए जा रहे है। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार और राज्य की विष्णुदेव सरकार के नेतृत्व में विकास एवं जनकल्याण के कार्य निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय के साथ आंगन मिलन कार्यक्रम को प्रभावी बनाने की अपील की।

इस अवसर पर जिला महामंत्री आशीष शर्मा, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष बिंदु सिन्हा, सुरेंद्र सोनटेके, रिखीराम यादव, लालिमा ठाकुर, शिवांगी चतुर्वेदी, मिलेश्वरी साहू, नंदनी साहू, लेखराज ध्रुवा, राधेश्याम सोनवानी, अहिल्या मरकाम, रितेश यादव, नंदकिशोर चौबे, पंकज निर्मलकर सहित मंडल, मोर्चा-प्रकोष्ठ के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सेवा संकल्प अभियान को जनभागीदारी का व्यापक अभियान बनाने के निर्देश

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन से राज्य के सभी जिलों के कलेक्टरों से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की समीक्षा की गई। प्रदेश में सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक संचालित किया जा रहा है। वीडियो कॉन्फ्रेंस में मुख्य सचिव ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान को केवल एक आयोजन के रूप में नहीं लेकर इसे जनभागीदारी और एक-दूसरे की मदद की संस्कृति को मजबूत करने के अवसर के रूप में लिया जाना चाहिए। उन्होंने कलेक्टरों एवं अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में अभियान की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से आयोजित करते हुए ज्यादा से ज्यादा लोगों, स्वयंसेवी संस्थाओं और सामाजिक संगठनों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

मुख्य सचिव ने कलेक्टरों से कहा कि जिलों में प्रभारी मंत्री के मार्गदर्शन में ब्लाक एवं तहसील स्तर पर सेवा संकल्प अभियान के दौरान आयोजित होने वाले शिविरों में लोगों को भागीदार बनाकर उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जाए। इस संबंध में माननीय मंत्रीगणों से आवश्यक बैठक एवं चर्चा सुनिश्चित करें। मुख्य सचिव ने कहा कि शिविरों में केन्द्र शासन की चिन्हित 26 प्रमुख योजनाओं को शामिल किया जाना है। इस संबंध में योजनाओं के हितग्राहियों की जानकारी अद्यतन कर ली जाए। मुख्य सचिव ने कलेक्टर्स को फसल गिरदावरी सर्वे, जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन के कार्यों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

23 से 25 सितंबर तक सभी जिलों के नगरीय निकाय क्षेत्रों में तथा 2 से 8 अक्टूबर तक प्रदेशभर में सेवा मेरा योगदान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनमें सेवा एवं स्वच्छता, अन्न एवं वस्त्र दान, विद्या दान एवं शिक्षा सहयोग, कौशल एवं ज्ञान दान, हरित छत्तीसगढ़ एवं पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य एवं रक्तदान, अंगदान एवं देहदान, सामाजिक सुरक्षा एवं जागरूकता तथा स्थानीय उत्पादन एवं महिला सशक्तिकरण जैसी गतिविधियां शामिल हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि इन गतिविधियों में एनसीसी, एनएसएस, स्वयंसेवक, स्व-सहायता समूह, सामाजिक संस्थाओं, युवा संगठनों तथा 'मेरा युवा भारत' सहित विभिन्न सहयोगी संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। सभी गतिविधियों को माय भारत पोर्टल पर फोटोग्राफ्स सहित अपलोड करने के निर्देश दिए गए।मुख्य सचिव ने कलेक्टरों से कहा है कि जिन परिवारों के मृत परिजनों द्वारा देह एवं अंग दान किया जाता है उन परिवारों को सम्मानित किया जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि जिन लोगों को दान के अंगों का उपयोग किया गया है। उनके परिवारों को भी कार्यक्रम में शामिल किया जाए एवं उनसे उनकी त्वरित प्रतिक्रिया भी ली जाए। यह कार्यक्रम सिर्फ अभियान तक सीमित न रहे इसके लिए समय-समय पर लोगों के लिए ज्यादा से ज्यादा जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित हो, जिससे लोग अंग दान करने सहर्ष तैयार हो एवं आगे आए। हरित छत्तीसगढ़ अभियान के अंतर्गत 'एक पेड़ मां के नाम' पहल के तहत स्थानीय प्रजातियों के 10 हजार पौधों का रोपण करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्य सचिव ने पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों में व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सेवा संकल्प एवं दान उत्सव 23 से 25 सितम्बर तक प्रदेश के सभी जिलों के नगरीय निकायों में आयोजित होगा। इसी तैयारी के संबंध में कलेक्टरों से आवश्यक चर्चा की गई। इसी प्रकार इस उत्सव का 2 से 8 अक्टूबर तक प्रदेश भर में उत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। सेवा संकल्प एवं दान उत्सव के अंतर्गत विविध गतिविधियां आयोजित की जायेंगी। इसमें सेवा एवं स्वच्छता, विद्या दान एवं शिक्षा सहयोग, अन्न एवं वस्त्र दान, कौशल ज्ञान दान एवं प्रशिक्षण की गतिविधियां बड़े स्तर पर की जायेंगी। जल संरक्षण एवं जल स्त्रोतों की साफ-सफाई की जाएगी। पर्यावरण संरक्षण एवं प्लास्टिक अभियान के तहत गतिविधियां आयोजित होगी। राज्यव्यापी अभियान के अंतर्गत महा रक्त दान, मेगा कैम्प एवं निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित की जाएगी। सामूहिक गतिविधियों के अंतर्गत महा अन्नदान अभियान व गरिमा किट का वितरण होगा। सभी जिलों में बुक ट्री, स्कूल किट एवं वंचित बच्चों हेतु शिक्षा में सहयोग के कार्यक्रम आयोजित होंगे।

स्वास्थ्य व्यवस्था पर दीपक बैज ने स्वास्थ्य मंत्री को दी चुनौती

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ की सियासत में नेताओं के बीच जुबानी जंग का सिलसिला जारी है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और पंचायत मंत्री विजय शर्मा के बीच प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर हुई बहस के बाद अब कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को चुनौती दी है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल पर निशाना साधते हुए उन्हें चुनौती दी है। बैज ने कहा है कि वे प्रदेश के किसी भी अस्पताल में जाकर जमीनी स्थिति देखने के लिए तैयार हैं। बैज की ओर से स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्थाओं को लेकर सवाल उठाए जाने के बाद मामला राजनीतिक बहस में बदल गया।

श्याम बिहारी जायसवाल ने स्वीकार की चुनौती

दीपक बैज की चुनौती पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने भी पलटवार करते हुए इसे स्वीकार कर लिया। उन्होंने कहा कि दीपक बैज उनके पुराने मित्र हैं और वे उनका सम्मान करते हैं। अस्पताल का चयन भी बैज अपनी पसंद से कर सकते हैं।स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि बस्तर क्षेत्र या रायपुर का कोई भी अस्पताल चुन लिया जाए, वे वहां साथ चलने के लिए तैयार हैं। वे स्वास्थ्य मंत्री के तौर पर ही नहीं, बल्कि एक मित्र के रूप में भी उनके साथ जाएंगे।

जाना होगा तो खबर भेज दें, जरूर जाएंगे : स्वास्थ्य मंत्री

स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने कहा कि अगर दीपक बैज किसी अस्पताल का जायजा लेने जाना चाहते हैं तो उन्हें इसकी जानकारी भेज दें। जाना होगा तो खबर भेज दें, जरूर जाएंगे। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने कांग्रेस को लेकर तंज भी कसा। उन्होंने कहा कि "कांग्रेस में चर्चा करने का कोई इंफेक्शन आ गया है।" अब दोनों नेताओं की चुनौती के बाद यह देखना दिलचस्प होगा कि अस्पताल का चयन कब और कहां होता है और क्या दोनों नेता साथ में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंचते हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने ओडिशा प्रवास के दौरान आज भुवनेश्वर में छत्तीसगढ़ के पूर्व राज्यपाल एवं वरिष्ठ राजनेता श्री विश्वभूषण हरिचंदन से उनके निवास पर सौजन्य भेंट की।

राजेश अग्रवाल ने कवर्धा में सिद्धेश्वर महादेव और संकट मोचन हनुमान मंदिर में की पूजा-अर्चना

रायपुर ■ दैनन्दिनी

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आज कवर्धा के ऐतिहासिक रानी सागर तालाब परिसर स्थित आस्था के पावन केंद्र और कवर्धा राज परिवार न्यास द्वारा निर्मित श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर एवं श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर में विधि-

विधान से पूजा-अर्चना एवं जलाभिषेक किया। उन्होंने भगवान श्री सिद्धेश्वर महादेव से समस्त प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाली की मंगल कामना की। इस अवसर पर मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान केवल यहां की प्राकृतिक सुंदरता से ही नहीं, बल्कि इसकी समृद्ध धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत से भी है। भोरमदेव और कवर्धा क्षेत्र आस्था, इतिहास और संस्कृति की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। हमारी सरकार का प्रयास है कि इन ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों का संरक्षण करते हुए इन्हें आधुनिक पर्यटन सुविधाओं से जोड़ा जाए, ताकि श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर अनुभव मिल सके तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक गतिविधियों के नए अवसर भी सृजित हों। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती आस्था और संस्कृति की विविध परंपराओं से समृद्ध है। इन परंपराओं को संरक्षित करना और नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है।

भोरमदेव कॉरिडोर की प्रगति की समीक्षा के लिए कवर्धा पहुंचे मंत्री-पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के साथ पर्यटन विभाग की महत्वाकांक्षी भोरमदेव कॉरिडोर विकास परियोजना की प्रगति एवं आगामी कार्ययोजनाओं की समीक्षा के लिए कवर्धा प्रवास पर हैं। इस दौरान परियोजना से जुड़े कार्यों की वर्तमान स्थिति, निर्माण एवं विकास कार्यों की प्रगति तथा आगामी चरण की कार्ययोजना को लेकर समीक्षा की जाएगी।

केंद्र की स्वदेश दर्शन 2.0 योजना से भोरमदेव को मिल रहा नया आयाम-केंद्र सरकार के पर्यटन मंत्रालय की स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के अंतर्गत कबीरधाम के भोरमदेव कॉरिडोर के विकास के लिए 145.99 करोड़ रुपये की परियोजना स्वीकृत है। भोरमदेव क्षेत्र छत्तीसगढ़ की धार्मिक और ऐतिहासिक विरासत का महत्वपूर्ण केंद्र है। कॉरिडोर के विकास से क्षेत्र में पर्यटन सुविधाओं के विस्तार, पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने और आसपास के प्रमुख पर्यटन स्थलों को एक समग्र पर्यटन अनुभव से जोड़ने की दिशा में काम आगे बढ़ेगा। मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि भोरमदेव केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहां आने वाला पर्यटक मंदिरों की स्थापत्य कला, क्षेत्र की धार्मिक परंपराओं, प्राकृतिक सौंदर्य और स्थानीय संस्कृति को एक साथ अनुभव कर सकता है। भोरमदेव कॉरिडोर का विकास इस समृद्ध विरासत को बेहतर ढंग से सामने लाने का अवसर है।

स्थानीय लोगों के लिए बढ़ेंगे अवसर-भोरमदेव कॉरिडोर के विकास से पर्यटन गतिविधियों के विस्तार के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। होटल, होम-स्टे, स्थानीय परिवहन, हस्तशिल्प, पारंपरिक खान-पान और स्थानीय उत्पादों से जुड़े लोगों को पर्यटकों की बढ़ती आवाजाही का लाभ मिलेगा।

11 लाख 69 हजार रुपये के अभिसरण से विकसित हुआ 'बेहतर आंगनबाड़ी, बेहतर बचपन' का केंद्र

रायपुर ■ दैनन्दिनी

सेवा संकल्प अभियान के तहत सामने आ रही 'सेवा की कहानी' यह बताती है कि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और संसाधनों के बेहतर उपयोग से गांवों में विकास की तस्वीर कैसे बदल रही है। जांजगीर-चांपा जिले के जनपद पंचायत नवागढ़ की ग्राम पंचायत सरखों स्थित आंगनबाड़ी केंद्र इसका उदाहरण है। कभी जर्जर भवन और सीमित सुविधाओं के बीच संचालित होने वाला यह केंद्र अब बच्चों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और आनंददायक वातावरण उपलब्ध करा रहा है। नई सुविधाओं के साथ यहां बच्चों के चेहरे पर खुशी, सीखने की ललक और अभिभावकों के मन में विश्वास दिखाई देता है।

आंगनबाड़ी केंद्र का विकास रोजगार गारंटी योजना (विकसित भारत जी राम जी योजना), महिला एवं बाल विकास विभाग तथा 15वें वित्त की राशि के अभिसरण से कुल 11 लाख 69 हजार रुपये की लागत से किया गया है। इसमें रोजगार गारंटी योजना से 8 लाख रुपये, महिला एवं बाल विकास विभाग से 2 लाख रुपये तथा 15वें वित्त से 1 लाख 69 हजार रुपये की राशि का अभिसरण किया गया। इससे आंगनबाड़ी भवन के साथ बच्चों के बैठने, सीखने और खेलने के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का विकास संभव हुआ।

नवीन सुविधाओं से सुसज्जित आंगनबाड़ी में अब बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा के साथ खेल आधारित गतिविधियों और नियमित पोषण आहार की सुविधा मिल रही है। स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से जुड़ी जरूरी जानकारी भी बच्चों को दी जा रही है। इससे बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और सीखने के अनुभव को बेहतर बनाने में मदद मिल रही है।आंगनबाड़ी परिसर को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण-अनुकूल बनाने के लिए पौधरोपण भी किया गया है। बच्चे इन पौधों की देखभाल में उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं। इस तरह केंद्र अब केवल पोषण और प्रारंभिक शिक्षा का स्थान नहीं रहा, बल्कि बच्चों के सीखने, खेलने और प्रकृति से जुड़ने का आनंददायक केंद्र बन गया है।

टाटा पावर को बिजली वितरण लाइसेंस देने का आरोप विकास उपाध्याय ने कोर्ट में लगाई याचिका

रायपुर। रायपुर, धरसींवा, मंदिर हसौद और अभनपुर में टाटा पावर को समानांतर बिजली वितरण लाइसेंस देने का आरोप लगाते हुए पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने न्यायालय में याचिका दायर की। उपाध्याय ने भाजपा सरकार का जनविरोधी चेहरा उजागर होने की बात कहते हुए इसे टाटा पावर के बहाने छत्तीसगढ़ की जनता और बिजली व्यवस्था को पूंजीपतियों के हाथ बेचने का षड्यंत्र करार दिया है। उन्होंने बीजेपी पर 'पीएम सूर्य घर योजना' के जरिए मुफ्त बिजली के फर्जी जाल में जनता को फांसने का आरोप लगाया। पूर्व संसदीय सचिव एवं छाया सांसद विकास उपाध्याय ने बताया कि टाटा पावर कंपनी लिमिटेड द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग में याचिका (पीटीशन नं. 89 ऑफ 2026) लगाकर रायपुर, धरसींवा, मंदिर हसौद और अभनपुर तहसील क्षेत्र में 25 वर्षों के लिए समानांतर बिजली वितरण लाइसेंस (पैरालेल डिस्ट्रीब्यूशन लाइसेंस) माँगा गया है। मैं इस जनविरोधी, गरीब-विरोधी और छत्तीसगढ़-विरोधी प्रस्ताव का पुरजोर विरोध करता हूँ। उपाध्याय ने इसके साथ ही भाजपा की राज्य और केंद्र सरकार से सवाल किए, जिसमें टाटा ने अपनी लाइसेंस एप्लीकेशन में आगामी 5 वर्ष में चाहे गये क्षेत्र में सीएसपीडीसीएल के बराबरी का नेटवर्क स्थापित करने हेतु चरणबद्ध तरीके से केवल 435 करोड़ राशि लगाने की जानकारी दी है। इतनी कम राशि में संपूर्ण क्षेत्र में बिजली वितरण व्यवस्था के लिए नए 33 एवं 11 केवी सबस्टेशन तथा लाइन बनाना असंभव है। अंततः टाटा पॉवर सीएसपीडीसीएल के ग्रिड के लघुकालिक उपयोग / पिगी बैकिंग हेतु मांग करेगा और सरकार इसमें टाटा का पूर्ण सहयोग करेगी। उन्होंने अन्य राज्यों में निजी समानांतर लाइसेंस का जिक्र करते हुए कहा कि देश के कई राज्यों में निजी वितरण कंपनियों का प्रयोग पूरी तरह विफल साबित हुआ है। निजी कंपनियाँ केवल मुनाफा कमाने के लिए काम करती हैं, मेंटेनेंस के नाम पर उपभोक्ता को बेसहारा छोड़ देती हैं, और बिल कई गुना बढ़ा देती हैं, जिसके कारण जनता पर दोहरी मार पड़ती है।

दीपक बैज का बड़ा दावा

रायपुर। PCC चीफ दीपक बैज भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, बीजेपी के भीतर भगदड़ मची हुई है। आधा दर्जन से ज्यादा पूर्व विधायक हमारे संपर्क में हैं। आने वाले दिनों में बड़ा प्रवेश होने वाला है। जो नेता कांग्रेस छोड़कर गए हैं वो भी हमारे संपर्क में हैं। चुनाव के दो साल पहले इस्तीफे का दौर शुरू हो गया है। पीसीसी चीफ के बयान पर पलटवार करते हुए भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा ने कहा, दीपक बैज बीजेपी विधायकों के संपर्क में हैं। बीजेपी में शामिल होने के लिए बैज निवेदन कर रहे हैं। पुरंदर ने कहा, दीपक बैज जहां से टिकट मांगेंगे उन्हें बीजेपी वहीं से टिकट देगी। कांग्रेस में बैज की पूछ परख बंद हो गई है। राहुल गांधी की सभा में मां की मिमिक्री पर बीजेपी हमला बोल रही। इस पर दीपक बैज ने कहा, क्या सिर्फ मोदी की मां ही मां है, दूसरे की मां मां नहीं है क्या? जर्सी गाय, 50 करोड़ की गर्लफ्रेंड किसने कहा था? आपने शुरू किया तो आपको सुनना पड़ेगा। बैज ने कहा, सबसे बड़े कॉमेडियन तो खुद मोदी हैं। PM मोदी को फिल्मों में काम करना चाहिए। कांग्रेस नेता एजाज ढेबर को फिरौती की धमकी मिलने पर PCC चीफ दीपक बैज ने कहा, छत्तीसगढ़ में अपराधियों का राज चल रहा है। कांग्रेस के बड़े नेता के परिवार से 50 करोड़ रुपए मांगा गया है। इस मामले की सरकार को गंभीरता से जांच करानी चाहिए।

कलेक्टर-एसपी ने ली विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक

विदेशी विद्यार्थियों की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को लेकर दिए निर्देश

रायपुर। कलेक्ट्रेट रायपुर में आज कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक रायपुर ग्रामीण श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा ने जिले में संचालित विभिन्न विश्वविद्यालयों/शैक्षणिक संस्थानों के कुलपतियों के साथ प्रतिनिधियों की बैठक ली। इस बैठक में विदेशी विद्यार्थियों के सुरक्षित और सुव्यवस्थित आवास, संस्थानों की जिम्मेदारी, स्थानीय प्रशासन के साथ पुलिस के साथ समन्वय को लेकर चर्चा की गई। बैठक में कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि विदेशी विद्यार्थियों की सुरक्षा के साथ-साथ स्थानीय नागरिकों की सुरक्षा और क्षेत्र में शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। विदेशी विद्यार्थी भारत में अध्ययन के लिए आते हैं, इसलिए उनके लिए सुरक्षित, अनुशासित और सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

बैठक में विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों को निर्देशित किया गया कि विदेशी विद्यार्थियों के आवास के साथ आवागमन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। वर्तमान में जो विदेशी विद्यार्थी विश्वविद्यालय/कॉलेज के छात्रावास से बाहर निजी मकानों, पीजी या अन्य स्थानों पर रह रहे हैं, उन्हें अगले 15 से 30 दिनों के अंदर संस्थान द्वारा उपलब्ध कराए गए अथवा संस्थान से संबद्ध सुरक्षित छात्रावास में स्थानांतरित करने की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस संबंध में संस्थानों को विद्यार्थियों की सुविधा, सुरक्षा, स्थानीय परिस्थितियों और उपलब्ध आवासीय व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया। बैठक में कहा गया कि किसी भी अप्रिय घटना, दुर्घटना या कानून-विरोधी गतिविधि की स्थिति उत्पन्न होने से पहले ही उसके संभावित कारणों की पहचान कर आवश्यक निरोधात्मक कदम उठाए जाएं। प्रशासन और पुलिस को स्थानीय नागरिकों से समय-समय पर विदेशी विद्यार्थियों से संबंधित शिकायतों के साथ सूचनाएं प्राप्त होती रही हैं। कुछ मामलों में विद्यार्थियों द्वारा अनुशासनहीनता या कानून-विरोधी गतिविधियों में संलिप्त होने की आशंका से संबंधित शिकायतें भी सामने आई हैं। इन शिकायतों को ध्यान में रखते हुए संस्थानों को अपने स्तर पर प्रभावी निगरानी, काउंसलिंग और अनुशासन व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। यह स्पष्ट किया गया कि किसी भी विद्यार्थी के विरुद्ध केवल उसकी राष्ट्रीयता के आधार पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। कानून का उल्लंघन करने की स्थिति में संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बैठक में यह भी चर्चा हुई कि विभिन्न देशों से आने वाले विद्यार्थियों की सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि भारत की स्थानीय सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिस्थितियों से अलग हो सकती है। ऐसे में विश्वविद्यालयों को चाहिए कि विदेशी विद्यार्थियों को भारतीय कानून, स्थानीय सामाजिक व्यवहार, रीति-रिवाज, सार्वजनिक आचरण एवं स्थानीय संवेदनशीलताओं के संबंध में आवश्यक जानकारी और मार्गदर्शन प्रदान करें। साथ ही स्थानीय नागरिकों से भी अपील की गई कि विदेशी विद्यार्थियों के प्रति सहयोगात्मक और संवेदनशील व्यवहार रखें।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक ब्रजेश शुक्ला द्वारा नगर निगम कार्यालय के पीछे, मुकुटनगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं आसमां पब्लिशर्स जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित। संपादक- ब्रजेश शुक्ला, RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com